हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, सोमवार 15 जून 2026

भारत ने पाक को 64 रन से हराया

बर्मिंघम। भारत ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को 64 रन से हरा दिया।

एजबेस्टन में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी और 20 ओवर में 6 विकेट पर 170 रन बनाए। भारत की ओर से स्मृति मंधाना ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 44 गेंदों में 68 रन बनाए। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 36 रन की पारी खेली। ऋचा घोष ने 17 बॉल पर 34 रन बनाए। पाकिस्तान की ओर से सादिया इकबाल और फातिमा सना ने 2-2 विकेट लिए। तस्मिया रुबाब और रामीन शमीम को 1-1 सफलता मिली। 171 रन का पीछा कर रही पाकिस्तान 17 ओवर में 106 रन पर ऑलआउट हो गई। मुनीबा अली ने सबसे ज्यादा 41 रन बनाए। भारत से दीप्ति शर्मा ने 10 रन देकर 5 विकेट लिए। श्री चरणी को 3 और शेफाली वर्मा को एक विकेट मिला।

50 वर्षों के नक्सल दंश से बस्तर को मिली मुक्ति : केदार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सुकमा

50 वर्ष की नक्सल पीड़ा के दंश से बस्तर ही नहीं बल्कि पूरे देश को मुक्ति मिली है। सैकड़ों लोगों ने अपने परिजनों को खोया है उन्हें हमारी सरकार ने एक तरह से श्रद्धांजलि दी है। सुकमा में हरिभूमि-आईएनएच के जिला संवाद कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने यह बात कही। उन्होंने प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के एक सवाल के जवाब में कहा कि नक्सलवाद को खत्म करने का संकल्प लेना अपने आप में बड़ी बात रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने इस संकल्प को पूरा करने 31 मार्च 2026 की तारीख तय की थी उस समय से ही लोगों में यह विश्वास हो गया था कि यह संकल्प पूरा होगा।

रविवार को सुकमा के स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति केंद्र में हरिभूमि-आईएनएच के जिला संवाद में मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने डॉ. हिमांशु द्विवेदी के साथ हो रहे इस वार्तालाप के बारे में कहा कि पहली बार मै सुकमा में इतनी रात तक आपके साथ बातचीत कर रहा हूं। रात के समय मेरे ठहरने पर चेतावनी आ जाती थी। लेकिन आज हमारी सरकार ने नक्सलवाद का समूल नाश कर शांति और विकास का मार्ग प्रशस्त किया है। उन्होंने एक एक कर प्रधान संपादक के सवालों का जवाब दिया।

खास खबर

जिला संवाद में डॉ. हिमांशु द्विवेदी के तीखे सवालों का जिले के प्रभारी मंत्री ने दिया जवाब

- **सवाल:** नारायणपुर विधानसभा के विधायक हैं और सुकमा से प्रभारी मंत्री के रूप में लंबे समय से नाता है। नक्सल समस्या से मुक्ति के बाद यहां के विकास को किस रूप में देखते हैं?
- **जवाब:** 50 साल तक नक्सल समस्या के कारण पूरे बस्तर संभाग में विकास थम गया था। विकास की जो बात करता था उसे नक्सली मार डालते थे। सड़क, पुल, पुलिया, स्कूल,अस्पताल, पानी, बिजली की सुविधा अंदरूनी गांव तक नहीं पहुंच पाती थी। अब नक्सल मुक्त होने से विकास तेजी से होने लगा है।
- **सवाल:** नक्सल पीड़ा का शिकार आपका परिवार भी रहा है। साथ ही काफी लोगों ने जान गंवाई है। इसे किस रूप में देखते हैं ?
- **जवाब:** ऐसे काल खंड में हम है जहां केंद्र और राज्य में हमारी सरकार है। और मैं सरकार का एक हिस्सा हूं। नक्सलवाद खत्म होने के साथ ही प्रधानमंत्री के नेतृत्व में अमित शाह ने बस्तर संभाग को पूरे देश का

▶▶| शेष पेज 6 पर

बीजापुर में हरिभूमि-आईएनएच का जिला संवाद आज

डॉ. हिमांशु द्विवेदी · केदार कश्यप · महेश कश्यप · विक्रम मंडावी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बीजापुर

जिला मुख्यालय बीजापुर के शारदा सिनेमा हॉल में सोमवार 15 जून को दोपहर साढ़े तीन बजे से हरिभूमि-आईएनएच का जिला संवाद कार्यक्रम होगा। जिसमें जिले के जनसरोकारों और विकास से जुड़े मुद्दों पर हरिभूमि -आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के सवालों के जवाब कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि और अन्य विशिष्ट अतिथि देंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री केदार कश्यप होंगे, साथ ही सांसद महेश कश्यप, स्थानीय

▶▶| शेष पेज 6 पर

भारत-फ्रांस जुगलबंदी : रक्षा, तकनीक, एआई, सेमीकंडक्टर के सहयोग पर मंथन

पीएम मोदी ने कहा- दुनिया को समाधान दे रहा भारत

आज जब पूरी दुनिया दो गुटों में बंटती दिख रही है। वैश्विक राजनीति के समीकरण हर रोज बदल रहे हैं, तब भारत और फ्रांस का आपसी भरोसा कूटनीति के एक नए केंद्र के रूप में उभरा है। फ्रांस के नीस शहर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ रविवार को द्विपक्षीय बैठक की। दोनों देशों के बीच रक्षा, तकनीक, एआई, सेमीकंडक्टर, स्पेस टेक्नोलॉजी, हेल्थ-टेक, निवेश और रणनीतिक सहयोग को मजबूत बनाने पर चर्चा हुई। इससे पहले एक कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा कि भारत अब दुनिया को समाधान देने वाला देश बन गया है।

एजेंसी ▶▶| नीस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने 'भारत इनोवेट्स 2026' प्रोग्राम का उद्घाटन किया, जिसमें भारत, फ्रांस और अन्य देशों के स्टार्टअप्स और वेंचर कैपिटल फंड्स ने हिस्सा लिया। पीएम मोदी ने कहा कि भारत अब वैश्विक समाधानों का सिर्फ उपभोक्ता नहीं, बल्कि उनमें अहम योगदान देने वाला देश बन गया है। मोदी ने यहां 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नवाचार और प्रौद्योगिकी के जरिये दुनिया के लिए एक दीर्घकालिक भविष्य के संबंध में नयी दिल्ली का नजरिया पेश किया। इस कार्यक्रम में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भी मौजूद थे। मोदी ने कहा, भारत ने यह साबित कर दिया है कि नवाचार और समावेश एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। इसका मतलब है कि किसी भी नवाचार की महानता केवल उसके मूल्यांकन में नहीं, बल्कि लोगों पर उसके असर में निहित है। उन्होंने कहा, एक दशक पहले तक दुनिया भारत को प्रौद्योगिकी अपनाने वाले देश के तौर पर देखती थी, लेकिन अब यह देश प्रौद्योगिकी प्रदाता के तौर पर उभर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, इसके अलावा, भारत जो नवाचार करता है और जो समाधान देता है, उनसे मानवता के एक बड़े हिस्से को फायदा होता है। 'भारत इनोवेट्स' का मकसद भी यही है। प्रधानमंत्री ने ऐसी ▶▶| शेष पेज 6 पर

फ्रांस के नीस में मोदी-मैक्रों ने द्विपक्षीय बैठक की

पीएम ने ली सेल्फी

भारत इनोवेट्स 2026 प्रोग्राम के बाद राष्ट्रपति मैक्रों, प्रधानमंत्री मोदी को नीस के पास स्थित विला केरीलोस घुमाने ले गए। यह फ्रांस की प्रसिद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों में से एक है। मैक्रों ने यहां पीएम के साथ सेल्फी ली और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया।

नहीं रुकेगी भारत की सुधार एक्सप्रेस

पीएम मोदी ने कहा, 'भारत की 'सुधार एक्सप्रेस' रुकेगी नहीं, बल्कि चलती रहेगी, और भारत से उभरते स्टार्टअप की संख्या भी कई गुना बढ़ती रहेगी। प्रधानमंत्री ने संघर्षों और अलग-अलग तरह की रुकावटों के असर का जिक्र करते हुए, मानवता के लिए अहम प्रौद्योगिकी के महत्व पर भी बात की। उन्होंने कहा, यह दशक दुनिया के लिए उथल-पुथल और विकास, दोनों का समय है। संघर्षों और जलवायु परिवर्तन के बढ़ते असर के बीच, दुनिया अभूतपूर्व उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। उन्होंने कहा, फिर भी, आज जब मानवता के सामने कई चुनौतियां हैं, तो साथ ही कई अवसर भी मौजूद हैं।

भारत इनोवेट्स

- भारत-फ्रांस का ज्वाइंट प्रोग्राम 14 से 16 जून तक फ्रांस के नीस शहर में हो रहा है
- यह प्रोग्राम भारत और फ्रांस नवाचार-2026 का हिस्सा है।
- प्रधानमंत्री मोदी और फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों ने संयुक्त रूप से किया उद्घाटन

अब आगे क्या

फ्रांस से 114 राफेल विमानों की डील पर चर्चा की उम्मीद

मोदी और मैक्रों के बीच द्विपक्षीय बैठक में हुई बातचीत का ऑफिशियल ब्योरा अभी जारी नहीं किया गया है। हालांकि, इसमें 114 राफेल लड़ाकू विमानों की प्रस्तावित डील, रक्षा सहयोग, तकनीक, एआई, सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष, निवेश और रणनीतिक साझेदारी जैसे मुद्दों पर चर्चा की संभावना जताई जा रही है। इनमें सबसे अहम वायु सेना के लिए 114 रफाल की डील है। करीब सवा 3 लाख करोड़ रुपए के इस सौदे में भारत विमानों के साझा विकास और उत्पादन के अलावा टेक्नोलॉजी का पूरा ट्रांसफर चाहता है। जरूरतों के हिसाब से इन विमानों पर मिसाइलें और अन्य हथियार लगाने के लिए सोर्स कोड को लेकर भी भारत अपना रुख स्पष्ट करेगा।

एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग

मोदी ने कहा, एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, बायोटेक्नोलॉजी, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और 'एडवांस्ड मटीरियल्स' ऐसी तकनीकें हैं, जो इंसानियत के भविष्य को आकार देंगी। ये मानव सभ्यता के अगले अध्याय को दर्शाती हैं। उन्होंने कहा कि हर तकनीकी क्रांति मानवता को एक नया अवसर देती है, और हर अवसर अपने साथ एक नयी जिम्मेदारी भी लाता है।

गिलेट के मंगलसूत्र दिए जाने के मामले में विभाग ने दिया स्पष्टीकरण

चांदी का मंगलसूत्र देना जरूरी नहीं इसलिए गिलेट के बांटे, उनकी भी क्वालिटी निकली खराब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मनेन्द्रगढ़

रतनपुर के खड़गवां ब्लॉक के चनवारीडांड में आयोजित सामूहिक विवाह में सुहागिनों को चांदी की जगह गिलेट का मंगलसूत्र दिए जाने के मामले में विभाग ने अपना पक्ष रखा है। महिला एवं बाल विकास विभाग के अफसरों के अनुसार मंगलसूत्र चांदी का होना अनिवार्य नहीं है। चांदी महंगी है इसलिए वित्तीय सीमा और बाजार मूल्य को ध्यान में रखते हुए कृत्रिम मंगलसूत्र दिया गया था।

उसमें भी गुणवत्ता की कमी पाई गई तो संबंधित फर्म के भुगतान से प्रति मंगलसूत्र 1 हजार रुपए की कटौती कर यह राशि संबंधित वधुओं के बैंक खातों में हस्तांतरित की गई है।

बता दें कि रतनपुर के खड़गवां ब्लॉक के चनवारीडांड में 10 फरवरी 2026 को मुख्यमंत्री कन्या विवाह कार्यक्रम में 189 जोड़ों की शादी कराई गई थी। योजना के तहत दुल्हनों को मंगलसूत्र समेत कई उपहार दिए गए थे। लेकिन शादी के कुछ ही समय बाद कई दुल्हनों ने शिकायत की कि उनके मंगलसूत्र का रंग काला पड़ने लगा। इस सुहागिनों ने प्रशासन को घेरा था। सुहागिनों के आरोप पर महिला एवं बाल विकास विभाग का कहना है कि मंगलसूत्र में चांदी का होना अनिवार्य नहीं है।

हरिभूमि फॉलोअप

कलेक्टर ने जांच का जिम्मा अपर कलेक्टर को सौंपा

सुहागिनों को दिए मंगलसूत्र काले पड़े चांदी की जगह गिलेट, जांच के आदेश

कृत्रिम मंगलसूत्र बांटे गए

उपलब्ध वित्तीय सीमा एवं बाजार मूल्य को ध्यान में रखते हुए योजना के अंतर्गत कृत्रिम (आर्टिफिशियल) मंगलसूत्र क्रय कर हितग्राहियों को प्रदान किया गया था। बाद में मंगलसूत्रों की गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर संबंधित फर्म के भुगतान से प्रति मंगलसूत्र 1 हजार रुपए की कटौती की गई तथा यह राशि सीधे संबंधित वधुओं के बैंक खातों में हस्तांतरित कर दी गई। परिणामस्वरूप प्रत्येक पात्र कन्या को 36 हजार रुपए की प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता प्राप्त हुई, जबकि शेष राशि विवाह आयोजन एवं आवश्यक सामग्री पर नियमानुसार व्यय की गई। विभाग ने स्पष्ट किया है कि 10 फरवरी 2026 को आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में किसी प्रकार की वित्तीय अथवा प्रशासनिक अनियमितता नहीं की गई। संपूर्ण आयोजन शासन द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों, वित्तीय प्रावधानों एवं भंडार क्रय नियमों का पालन करते हुए संपन्न कराया गया।

स्कूल शिक्षा विभाग ने जारी किया आदेश

कक्षा से पहले पांच प्रार्थनाएं, महापुरुषों का जीवनी वाचन भी इसके बगैर भोजन नहीं, छुट्टी के समय भी तीन स्तुतियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नवीन शैक्षणिक सत्र से स्कूलों में प्रतिदिन छात्रों को आधा दर्जन से अधिक प्रार्थनाएं प्रतिदिन गानी होगी। स्कूल शिक्षा विभाग का कहना है कि विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास के लिए यह किया जा रहा है। इससे वे अपनी संस्कृति तथा परंपराओं से अवगत होंगे। इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए शालाओं को निर्देश दिए गए हैं कि वे वर्णित क्रम में सभी गतिविधियां पूर्ण करें। सुबह राष्ट्रगान व राष्ट्रगीत के साथ ही दीपमंत्र, सरस्वती वंदना व गुरुमंत्र छात्र गाएंगे। इसके बाद किसी भी एक महापुरूष की जीवनी का वाचन किया जाएगा। मध्यान्ह भोजन वितरित किए जाने के पूर्व भी प्रार्थना अनिवार्य कर दी गई है। छात्रों को भोजन मंत्र गाना होगा। इसके बगैर भोजन वितरण नहीं किया जाएगा। कक्षाएं समाप्त होने के बाद विद्यार्थी पहले की तरह सीधे घर नहीं जा सकेंगे। ▶▶| शेष पेज 6 पर

खास खबर

शिक्षकों का तर्क-लंबे समय तक छात्रों को धूप में रखना स्वास्थ्य के लिए खतरनाक

फोटो: एआई

व्यवस्था पर बात, चिंता भी

इस आदेश ने प्राचार्यों और शिक्षकों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। जहां सुबह के वक्त कक्षाएं लगती हैं, वहां छुट्टी के दौरान होने वाली प्रार्थनाएं छात्रों को धूप में करनी पड़ेगी। दोपहर में जिन छात्रों की कक्षाएं लगती हैं, उन्हें सभी प्रार्थनाएं धूप में ही करनी पड़ेगी। ग्रामीण क्षेत्रों के अधिकतर स्कूलों में शेड की व्यवस्था नहीं है। ऐसे में उन्हें कड़ी धूप में ही प्रार्थना करनी पड़ती है। शिक्षक संघ के प्रदेशाध्यक्ष संजय शर्मा ने कहा, जून से लेकर सितंबर माह तक लगभग प्रतिदिन एक-दो छात्र बेहोशी या चक्कर आने की शिकायत करते हैं। संस्कृति-परंपरा से परिचय कराना अच्छी बात है, लेकिन इसके पूर्व पर्याप्त व्यवस्थाएं भी की जानी चाहिए। वहीं सोशल मीडिया में भी इसे ▶▶| शेष पेज 6 पर

कब, कौन सी प्रार्थना

- शाला प्रारंभ होने पर कक्षा के पूर्व
  1. राष्ट्रगान
  2. राष्ट्रगीत
  3. दीपमंत्र
  4. सरस्वती वंदना
  5. गुरू मंत्र
  6. महापुरुषों का जीवनी का वाचन
- मध्यान्ह भोजन में भोजन मंत्र
- संध्या के समय छुट्टी होने पर
  1. राज्यगीत
  2. गायत्री मंत्र
  3. शांति मंत्र

Chhattisgarh
Business Made
Easy

छत्तीसगढ़

बेहतर कल के लिए औद्योगिक विकास

नए युग के उद्योग, बढ़ता निवेश और रोजगार-आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़

अब तक ₹7.90 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त

1.5 लाख से अधिक संभावित रोजगार

50% परियोजनाएँ विशेष सेक्टर से संबंधित

- नवा रायपुर में **भारत का पहला** एआई डेटा सेंटर पार्क
- नवा रायपुर में राज्य का पहला **₹18,000+ करोड़** का **सेमीकंडक्टर प्लांट**
- मध्य भारत का **सबसे बड़ा फार्मा पार्क**
- **भारत के अग्रणी पेट फूड ब्रांड** का प्रमुख उत्पादन केंद्र
- 70 वर्ष पुराने राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान द्वारा स्थापित एक प्रमुख **मल्टी- स्पेशलिटी अस्पताल**

#CGBusinessEasy

छत्तीसगढ़ की पहचान अब केवल यहाँ के प्राकृतिक संसाधनों तक सीमित नहीं है, बल्कि सुरक्षित भविष्य की दिशा में बढ़ते कदम, कल्याणकारी परियोजनाएँ, नए रोजगार के अवसर और नए दौर की आवश्यकताओं केअनुरुप मजबूत होती अर्थव्यवस्था भी इसकी पहचान बन रही है।

-विष्णु देव साय, मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

हमसे जुड़ने के लिए
QR स्कैन करें
छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

/ChhattisgarhCMO
/DPRChhattisgarh
www.dprcg.gov.in

सुशासन से समृद्धि की ओर

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

निर्माण के बाद से पड़ा है वीरान, खंडहर में हो रहा तब्दील, कभी ताला नहीं खुला

1995-96 में कराया गया था निर्माण रास्ते पर कर लिया अवैध कब्जा

30 साल पहले बन चुका स्कूल भवन, पर बच्चों के कदम नहीं पड़े, वीरान स्कूल अब खंडहर

अरुण सिंह ▶▶| अंबिकापुर

हरिभूमि लगातार

झाड़ियों के बीच मौजूद यह विशाल भवन शासकीय हाईस्कूल की बिल्डिंग है। एक ऐसा भवन जो आज भी बच्चों का इन्तजार कर रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि निर्माण के 30 साल बाद भी इस भवन में किसी बच्चे के कदम नहीं पड़े और ना ही कभी स्कूल भवन का ताला खुला। बच्चों की बाट जोहता वीरान स्कूल अब खंडहर में तब्दील हो गया। ▶▶|शेष पेज 6 पर

अधिकारियों ने नहीं दिया ध्यान

भवन का निर्माण उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के लिए किया गया था लेकिन किन्ही कारणों से स्कूल का उन्नयन हाई स्कूल से हायर सेकेंडरी स्कूल में नहीं हो सका। अधिकारियों ने ध्यान नहीं दिया, बाद में भी किसी ने पहल नहीं की।

-रामदेव राम, पूर्व विधायक

कराएंगे जांच

जानकारी मिली है। मामले की जांच कराई जाएगी। इसके लिए डीईओ को निर्देश दिया जाएगा।

-अजीत वसंत
कलेक्टर सरगुजा

टपकती छतें जर्जर दीवारें घुटनों तक पानी और बदमाशों का डेरा

तरीघाट में मासूमों का भविष्य जर्जर भवनों के भरोसे

उरेन्द्र साहू ▶▶| कोपरा

गरियाबंद जिले के फिंगेश्वर विकासखंड के ग्राम पंचायत तरीघाट में आज भी सैकड़ों मासूम बच्चों को बुनियादी शैक्षणिक सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। नए शिक्षा सत्र की शुरुआत होने वाली है, लेकिन गांव के बच्चे आज भी जर्जर और खतरनाक भवनों के बीच अपना भविष्य गढ़ने को मजबूर हैं। हालात ऐसे हैं कि बारिश के मौसम में कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है, फिर भी जिम्मेदार गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं।

तरीघाट स्थित प्राथमिक शाला में केवल दो कमरे हैं, जो वर्षों पुराने और जर्जर अवस्था में पहुंच चुके हैं। इन्हीं दो कमरों में पांच कक्षाओं का संचालन किया ▶▶|शेष पेज 6 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

अमरनाथ यात्रा में तैनात होंगे 55 हजार जवान

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में तीन जुलाई से पवित्र अमरनाथ यात्रा शुरू हो रही है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अमरनाथ यात्रा को सुरक्षित बनाने का फुलप्रूफ प्लान तैयार कर लिया है। यात्रा मार्ग पर सेना/सीएपीएफ के 50 हजार से अधिक जवानों की तैनाती की जाएगी। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय खुफिया इकाई को भी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

प्रेमी की लाश से 'शादी' युवती ने छोड़ा 'ससुराल'

नांदेड। अपने प्रेमी की हत्या के बाद उसकी लाश से 'विवाह' कर सुर्खियों में आई आंचल मामिडवार ने अपने 'ससुराल' के एक सदस्य पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। आंचल का आरोप है कि प्रेमी सक्षम ताटे के परिवार के एक सदस्य द्वारा कथित अभद्र व्यवहार किए जाने के बाद उसे उनका घर छोड़ना पड़ा। हालांकि, उसने कहा कि सक्षम के प्रति उसका प्यार आज भी पहले जैसा ही है।

अमेरिका का दावा- परमाणु हथियार नहीं बनाने पर राजी ईरान

खुलेगा होर्मुज, अमेरिका से तेहरान को मिलेगी 25 अरब डॉलर की राहत!

अमेरिका और ईरान के बीच पिछले कई महीनों से चला आ रहा कूटनीतिक गतिरोध और तनाव अब समाप्त होने की राह पर दिख रहा है। दोनों देशों के बीच प्रस्तावित शांति समझौते का विस्तृत और अंतिम ड्राफ्ट तैयार हो गया है, जिसमें परमाणु कार्यक्रम, तेल निर्यात, होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा, फ्रीज संपत्तियों की रिहाई और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे संवेदनशील मुद्दों पर व्यापक सहमति बन गई

एजेंसी ▶▶| दुबई

वरिष्ठ ईरानी अधिकारी के हवाले से खबर दी है कि अमेरिका के साथ 'समझौता ज्ञापन' का अंतिम मसौदा लगभग तैयार है। अधिकारी के अनुसार, इसमें ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर सख्त नियंत्रण, होर्मुज को अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए पूरी तरह खोलने और अमेरिकी प्रतिबंधों में छूट जैसे अहम प्रावधान शामिल हैं। समझौते पर औपचारिक हस्ताक्षर के बाद दोनों पक्ष 60 दिनों के भीतर अंतिम और पूर्ण समझौते पर विस्तृत चर्चा करेंगे।

ईरानी अधिकारी ने मसौदे की मुख्य बातों का खुलासा करते हुए बताया कि ईरान तुरंत सभी वाणिज्यिक जहाजों के लिए होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह खोल देगा।

ईरान को मिलेंगे 25 अरब डॉलर

अमेरिकी प्रतिबंधों से प्रभावित ईरानी अर्थव्यवस्था को राहत मिलेगी। अंतिम समझौते तक अमेरिका ईरान पर कोई नया आर्थिक या वित्तीय प्रतिबंध नहीं लगाएगा। साथ ही, तेल निर्यात पर लगे प्रतिबंधों को निर्धारित अवधि के लिए पूरी तरह हटा लिया जाएगा, जिससे ईरान अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल बेच सकेगा।

ईरान पर कोई नया प्रतिबंध नहीं लगाएगा अमेरिका

वित्तीय मोर्चे पर अमेरिका अंतिम समझौता होने तक ईरान पर कोई नया प्रतिबंध नहीं लगाएगा। अंतिम समझौते के बाद अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र के सभी प्रतिबंध तय समयसीमा के अनुसार हटाए जाएंगे। अमेरिका ईरान को एक निश्चित अवधि के लिए तेल बेचने और उससे होने वाली आय प्राप्त करने की अनुमति देने के लिए तेल प्रतिबंधों में भी छूट देगा।

परमाणु कार्यक्रम पर अहम सहमति

दोनों देशों के बीच सबसे विवादास्पद मुद्दे पर भी समझौता हो गया है। ईरान ने लिखित आश्वासन दिया है कि वह न तो परमाणु हथियार विकसित करेगा और न ही उन्हें हासिल करने का कोई प्रयास करेगा। अंतिम समझौते तक ईरान परमाणु यथास्थिति बनाए रखेगा, यानी नया यूरेनियम संवर्धन नहीं करेगा, मौजूदा सुविधाओं का विस्तार नहीं करेगा और नए सेंट्रीफ्यूज स्थापित नहीं करेगा। ईरान अपने पास मौजूद अत्यधिक समृद्ध यूरेनियम के भंडार को काफी हद तक कम करने पर भी सहमत हुआ है।

क्षेत्रीय सुरक्षा और भविष्य का रोडमैप

मसौदे में क्षेत्रीय स्थिरता और द्विपक्षीय संबंधों के सामान्यीकरण पर भी चर्चा हुई है। समझौते के बाद ईरान क्षेत्रीय प्रॉक्सी समूहों के समर्थन में कमी लाएगा, जबकि अमेरिका ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की धमकी समाप्त करेगा। दोनों देश भविष्य में व्यापार, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी सहयोग बढ़ाने पर भी विचार करेंगे।

इधर, बेरूत में इजरायल का हमला, भड़का ईरान

3 लोगों की मौत, 15 घायल

एक तरफ शांति वार्ता को लेकर अमेरिका और ईरान की तरफ से दावे किए जा रहे हैं, तो वहीं एक बार फिर मिडिल ईस्ट में तनाव भड़क उठा है। इजरायल ने हिज्बुल्लाह के ठिकानों पर ताबड़तोड़ हमले किए हैं। इस एयरस्ट्राइक में 3 लोगों की मौत हुई है। वहीं 15 लोग घायल हुए हैं। इस घटना के बाद से ईरान फिर भड़क गया है। इजरायली सेना ने पुष्टि की है कि उसने बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर सटीक हमले किए हैं। इन इलाकों को सामूहिक रूप से दहिया कहा जाता है. यह राजधानी दक्षिण में मौजूद हैं।

बेटियों के बालिग हो जाने से खत्म नहीं होती पिता की जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बेटियों के अधिकारों को लेकर दिए एक महत्वपूर्ण निर्णय में साफ किया है कि बेटियों के बालिग हो जाने से पिता की जिम्मेदारी पूरी तरह खत्म नहीं होती है। खासकर ऐसे मामले में जब उसके पक्ष में पहले से भरण पोषण का न्यायिक आदेश लागू हो। हाईकोर्ट ने पिता की क्रिमिनल रिवीजन खारिज करते हुए फैमिली कोर्ट के आदेश को ▶▶|शेष पेज 6 पर

■ हाईकोर्ट ने बेटियों के अधिकारों को लेकर दिया महत्वपूर्ण निर्णय

पिता की नैतिक जिम्मेदारी

हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि बच्चों के पालन-पोषण की नैतिक और कानूनी जिम्मेदारी पिता की होती है। यदि किसी सक्षम न्यायालय द्वारा पहले से भरण-पोषण का आदेश पारित किया जा चुका है, तो केवल बेटी के बालिग होने के आधार पर उससे बचा नहीं जा सकता।

फैमिली कोर्ट के ऑर्डर में कोई गलती नहीं

चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की सिंगल बेंच ने अपने आदेश में यह भी कहा "फ़ैमिली कोर्ट ने याचिकाकर्ता की पूरी फ़ाइनेंशियल स्थिति और कानूनी ज़िम्मेदारियों को भी ध्यान में रखा है और रिकॉर्ड में मौजूद सामग्री के आधार पर निष्कर्ष दर्ज किए हैं। अदालत का मानना है कि फ़ैमिली कोर्ट ने अपने ऑर्डर में कोई गैर-कानूनी या कमजोरी या अधिकार क्षेत्र की गलती नहीं की है।

हादसों भरा दिन

आग की अफवाह, एक ट्रेन से कूदे, दूसरी से कटे चार यात्री

मुरैना। मध्यप्रदेश के मुरैना रेलवे स्टेशन के निकट खजुराहो-उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस के एक डिब्बे में कथित तौर पर आग लगने की अफवाह फैल गई, जिसके बाद उससे उतरने के दौरान दूसरे ट्रैक से गुजर रही ट्रेन की चपेट में आने से चार लोगों की मौत हो गई। एक्सप्रेस में आग लगने की अफवाह के बाद घबराहट में चेन पुलिंग के बाद कुछ यात्री ट्रेन से उतर गए।

खजुराहो-उदयपुर इंटरसिटी में धुआं दिखने से मची अफरा-तफरी

जान बचाने कूदे और आ गई मौत

जान बचाने के लिए बिना सोचे-समझे कुछ लोग ट्रेन से कूदने लगे और रेलवे ट्रैक पर आ गए। कुछ लोग दूसरी रेल लाइन पर खड़े हो गए और उन्हें यह नहीं पता चला कि बगल की पटरी पर दिल्ली की ओर से पातालकोट एक्सप्रेस ट्रेन तेज रफ्तार से आ रही है।

स्टेशन पर अभ्यर्थियों का हंगामा, ट्रेन में तोड़फोड़

पटना। बिहार पुलिस के मद्य निषेध विभाग की भर्ती परीक्षा को लेकर पाटलिपुत्र रेलवे स्टेशन पर भारी हंगामा हो गया। परीक्षा दो पालियों में आयोजित होनी थी, जिसके लिए बड़ी संख्या में अभ्यर्थी देर रात ही स्टेशन पहुंच गए थे। स्थिति तब बिगड़ गई जब पाटलिपुत्र से कटिहार के लिए चलाई गई एग्जाम स्पेशल ट्रेन में सवार होने को लेकर अभ्यर्थियों के बीच अफरा-तफरी मच गई।

पुलिस ने दागे आंसू गैस के गोले-हवाई फायरिंग

आईजी-थाना प्रभारी घायल

हंगामे के दौरान आईजी जितेंद्र राणा को हल्की चोट लगने की सूचना है। वहीं, रूपसपुर थाना प्रभारी भी मामूली रूप से घायल हुए हैं। हालात को काबू में करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे और तीन राउंड हवाई फायरिंग भी की।

महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में बड़ा हादसा

पिकअप वैन के कुएं में गिरने से आठ की मौत

सोलापुर। सोलापुर जिले की मालशिरस तहसील में रविवार को एक पिकअप वैन सड़क किनारे बने कुएं में गिर गई, जिससे चार बच्चों समेत आठ लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हुए।

पहले पिटाई, फिर ट्रैक्टर से घसीटने के बाद कुचला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सेदम

खास खबर

रविवार को जमीन के वर्षों पुराने विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। जमीन पर कब्जा करने की नियत से पहुंचे दबंगों ने पहले तो ग्रामीण की बेदम पिटाई की। अपनी जान ▶▶|शेष पेज 6 पर

दोनों पक्षों को दिया आदेश बना विवाद की वजह

लगा रहे थे चक्कर, नहीं हुई सुनवाई

पहले से भूमि पर काबिज होशराम अपनी पत्नी धनेश्वरी, पुत्र महेंद्र के साथ लगातार कलेक्टर, एसडीएम व तहसील कार्यालय के चक्कर लगा रहा था। लेकिन अधिकारियों ने गंभीरता से नहीं लिया।

बताया जा रहा है कि ग्राम सिलमा की निजी पट्टे की 6.30 भूमि धनेश्वरी पति होशराम की बड़ी सास कामेश्वरी पति झोरी के नाम पर है, कामेश्वरी ▶▶|शेष पेज 6 पर

अमेरिकी नौसेना से कई बार मांगी गई मदद

समुद्र में तड़प-तड़प कर भारतीय नाविक की मौत

एजेंसी ▶▶| मस्कट

ओमान के डुक्म बंदरगाह पर खड़े एक पोत पर सवार एक भारतीय नागरिक की स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं के कारण मौत हो गई। भारतीय दूतावास ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा कर बताया कि मृतक की पहचान निशांत उर्थनाथन के रूप में की गई है। उसने बताया कि जब निशांत की मौत हुई उस समय वह मोटर टैंकर (एमटी) सेलेस्टियल सी पर सवार थे। खुलासा हुआ है कि एमटी सेलेस्टियल के क्रू ने रेडियो कम्युनिकेशन के जरिए अमेरिकी नौसेना के बार-बार मदद की गुहार लगाई थी, ▶▶|शेष पेज 6 पर

ठंडी पानी की बोतलों से ढंककर रखा शव

इस मामले पर फॉरवर्ड सीमेन यूनियन ऑफ इंडिया ने कड़ी नाराजगी जताई है। एफएसयूआई की ओर से एक्स पर एक पोस्ट में लिखा गया, क्रू सदस्य स्वास्थ्य के लिए खतरनाक और डरावनी स्थिति में ठंडी पानी की बोतलों का इस्तेमाल करके शव को ठंडा रखने की कोशिश कर रहे हैं। साथ ही कहा कि क्षेत्रीय तनाव के बीच समय पर मेडिकल इवैक्यूएशन में देरी हुई।

इधर, डूबते जहाज से 14 भारतीयों की बचाई जान

ओमान के तट के पास समुद्र में एक बड़ा हादसा टल गया, जब इंजन फेल होने के बाद एक भारतीय क्रू वाला जहाज डूबने लगा। समय रहते शुरू किए गए रेस्क्यू ऑपरेशन में सभी 14 भारतीय क्रू मेंबरों को सुरक्षित निकाल लिया गया। मस्कट स्थित भारतीय एंबेसी ने अमेरिकी नौसेना से मिली जानकारी के आधार पर कहा कि 14 जून को एमएसवी विराट-1 नाम के एक धौ (पारंपरिक मालवाहक जहाज) के डूबने की सूचना मिली थी।

चिंतन

दुनिया को समाधान देने की ओर बढ़ रहा भारत

आज दुनिया के सामने कई बड़ी चुनौतियां मुंह बाए खड़ी हैं। खाड़ी संकट ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया है। जलवायु परिवर्तन का संकट गहरा रहा है, एआई नई संभावनाओं के साथ नई चिंताएं भी पैदा कर रहा है, ऊर्जा सुरक्षा एक बड़ा प्रश्न बनी हुई है और तकनीकी प्रतिस्पर्धा वैश्विक राजनीति की दिशा तय कर रही है। ऐसे दौर में केवल वही देश प्रभावशाली भूमिका निभा पाएंगे, जो समस्याओं की पहचान ही नहीं, बल्कि उनके समाधान भी पेश कर सकें। फ्रांस में आयोजित 'भारत इनोवेट्स 2026' कार्यक्रम ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि भारत अब केवल वैश्विक परिवर्तनों का दर्शक नहीं बना रहना चाहता, बल्कि उन्हें दिशा देने की तैयारी कर रहा है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का यह कहना कि भारत नवाचार का देश है और दुनिया भारत के साथ मिलकर इनोवेशन करना चाहती है, कोई साधारण टिप्पणी नहीं है। यह उस बदलती वैश्विक धारणा का प्रतिबिंब है, जिसमें भारत को अब केवल एक बड़े उपभोक्ता बाजार के रूप में नहीं, बल्कि ज्ञान, तकनीक और नवाचार के केंद्र के रूप में देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए कहा कि भारत अब केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि समाधान देने वाला देश भी बन रहा है। पिछले एक दशक में भारत ने जिस तेजी से तकनीकी और डिजिटल क्षेत्र में प्रगति की है, उसने दुनिया का ध्यान खींचा है। डिजिटल भुगतान व्यवस्था, आधार आधारित सेवाएं, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण और कम लागत वाले तकनीकी समाधान आज कई देशों के लिए अध्ययन का विषय हैं। भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप नेटवर्क में शामिल हो चुका है। दो लाख से अधिक स्टार्टअप केवल रोजगार सृजन का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, वित्त, अंतरिक्ष और कृत्रिम मेधा जैसे क्षेत्रों में नई संभावनाएं भी विकसित कर रहे हैं। भारत और फ्रांस के बीच बढ़ती साझेदारी भी इसी परिवर्तन का हिस्सा है। दोनों देशों के संबंध अब केवल रक्षा सौदों या कूटनीतिक बैठकों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि कृत्रिम मेधा, क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष विज्ञान, स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन जैसे क्षेत्रों में सहयोग भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित किया जा रहा है। यही कारण है कि 'भारत इनोवेट्स' जैसे मंचों को केवल एक कार्यक्रम के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इन्हें भारत की वैश्विक महत्वाकांक्षा के प्रतीक के रूप में समझा जाना चाहिए। हालांकि तस्वीर का दूसरा पक्ष भी उतना ही अहम है। नवाचार की वास्तविक ताकत केवल स्टार्टअप्स की संख्या से नहीं मापी जाती, बल्कि उससे पैदा होने वाले प्रभाव से तय होती है। भारत को अनुसंधान एवं विकास पर खर्च बढ़ाना होगा। युवाओं को केवल नौकरी खोजने वाला नहीं, बल्कि समाधान विकसित करने वाला बनाने की दिशा में शिक्षा व्यवस्था को भी बदलना होगा। यह भी सच है कि आज दुनिया ऐसे देशों की तलाश में है जो प्रतिस्पर्धा के बजाय सहयोग का रास्ता दिखा सकें। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन से लेकर डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना तक, भारत के मॉडल को दुनिया गंभीरता से देख रही है। भारत के पास यह अवसर है कि वह विकासशील देशों की आवाज बनने के साथ-साथ तकनीकी समाधान का नेतृत्व भी करे। 21वीं सदी में किसी भी देश की असली ताकत उसकी सैन्य क्षमता या आर्थिक आकार से नहीं, बल्कि दुनिया को दिए गए समाधानों से तय होगी। भारत उसी दिशा में आत्मविश्वास के साथ कदम बढ़ा चुका है।

सतर्कता
सतीश सिंह

लापरवाही से बढ़ती धोखाधड़ी की वारदातें

भारत में बैंकिंग और डिजिटल भुगतान व्यवस्था जितनी तेज़ी से विस्तृत हुई है, उतनी ही तेज़ी से धोखाधड़ी के तौर-तरीके भी बदलते गए हैं। पहले धोखाधड़ी का बड़ा हिस्सा कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग और डिजिटल भुगतान से जुड़े छोटे-छोटे मामलों में दिखाई देता था। अब तस्वीर बदल रही है। धोखाधड़ी के मामलों की संख्या घट रही है, लेकिन उनमें शामिल रकम तेजी से बढ़ रही है। यह संकेत केवल बैंकिंग तंत्र के लिए नहीं, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था और वित्तीय सुरक्षा के लिए गंभीर चेतावनी है। भारतीय रिजर्व बैंक की सालाना रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में बैंकों ने 48,021 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी दर्ज की। यह रकम एक वर्ष पहले के 32,803 करोड़ रुपये की तुलना में 46.4 प्रतिशत अधिक है।

> भारत में बैंकिंग और डिजिटल भुगतान व्यवस्था जितनी तेज़ी से विस्तृत हुई है, उतनी ही तेज़ी से धोखाधड़ी के तौर-तरीके भी बदलते गए हैं। पहले धोखाधड़ी का बड़ा हिस्सा कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग और डिजिटल भुगतान से जुड़े छोटे-छोटे मामलों में दिखाई देता था। अब तस्वीर बदल रही है। धोखाधड़ी के मामलों की संख्या घट रही है, लेकिन उनमें शामिल रकम तेजी से बढ़ रही है। यह संकेत केवल बैंकिंग तंत्र के लिए नहीं, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था और वित्तीय सुरक्षा के लिए गंभीर चेतावनी है। भारतीय रिजर्व बैंक की सालाना रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में बैंकों ने 48,021 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी दर्ज की। यह रकम एक वर्ष पहले के 32,803 करोड़ रुपये की तुलना में 46.4 प्रतिशत अधिक है।

वित्त वर्ष 2023-24 में दर्ज 11,013 करोड़ रुपये की तुलना में यह चार गुना से भी ज्यादा है। दूसरी ओर, धोखाधड़ी के मामलों की संख्या में बड़ी गिरावट आई है। वित्त वर्ष 2025-26 में 10,114 मामले दर्ज हुए, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 23,722 थी। यानी मामलों की संख्या लगभग 57 प्रतिशत घटी। वित्त वर्ष 2023-24 के 35,800 मामलों की तुलना में यह गिरावट करीब 72 प्रतिशत है। आंकड़ों से पता चलता है कि बैंकिंग व्यवस्था में धोखाधड़ी की प्रकृति बदल रही है। अब छोटे और बिखरे हुए डिजिटल फ्रॉड की तुलना में बड़े कर्ज और एडवांस से जुड़े धोखाधड़ी मामले अधिक गंभीर चुनौती बनकर सामने आ रहे हैं। सबसे बड़ी चिंता कर्ज और एडवांस से जुड़े मामलों को लेकर है। वित्त वर्ष 2025-26 में कुल धोखाधड़ी राशि में इनकी हिस्सेदारी 85.5 प्रतिशत रही। कर्ज और एडवांस से जुड़े धोखाधड़ी मामलों की रकम बढ़कर 40,774 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। यह पिछले वर्ष की तुलना में 34 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में 357 प्रतिशत अधिक है। ऐसे मामलों की संख्या भी बढ़कर 8,640 हो गई, जो पिछले वर्ष 7,924 थी। यह स्थिति बताती है कि बैंकिंग प्रणाली के भीतर ऋण स्वीकृति, निगरानी, मूल्यांकन और जोखिम प्रबंधन से जुड़े तंत्र को और मजबूत करने की जरूरत है। सरकारी बैंकों पर इसका सबसे अधिक असर देखने को मिल रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 में सरकारी बैंकों को धोखाधड़ी के कारण 35,709 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, जो पिछले वर्ष के 23,617 करोड़ रुपये की तुलना में 51 प्रतिशत अधिक है। कुल धोखाधड़ी राशि में सरकारी बैंकों की हिस्सेदारी बढ़कर 74.5 प्रतिशत हो गई। हालांकि, सरकारी बैंकों में दर्ज मामलों की संख्या घटकर 5,418 रह गई, जो एक वर्ष पहले 6,916 थी। यह स्थिति बताती है कि सरकारी बैंकों में धोखाधड़ी के मामले कम जरूर हुए हैं, लेकिन जो मामले सामने आ रहे हैं, वे अधिक बड़े और गंभीर हैं। निजी बैंक भी इस समस्या से अछूते नहीं हैं। निजी बैंकों में धोखाधड़ी की रकम बढ़कर 11,399 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष के 8,927 करोड़ रुपये से 27.7 प्रतिशत अधिक है। कुल धोखाधड़ी राशि में निजी बैंकों की हिस्सेदारी 23.7 प्रतिशत रही, जबकि कुल मामलों में उनका हिस्सा 39.1 प्रतिशत था। इसका अर्थ है कि निजी बैंकों में मामलों की संख्या अपेक्षाकृत अधिक है, लेकिन राशि के लिहाज से सरकारी बैंकों पर दबाव कहीं अधिक गंभीर है। इसके उलट, डिजिटल भुगतान से जुड़े

धोखाधड़ी मामलों में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग और डिजिटल भुगतान से जुड़े मामलों की संख्या घटकर 293 रह गई, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 13,332 थी और वित्त वर्ष 2023-24 में 28,836 थी। इन मामलों में शामिल रकम भी घटकर 29 करोड़ रुपये रह गई, जबकि पिछले वर्ष यह 517 करोड़ रुपये थी। यह गिरावट इस बात का संकेत है कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था में तकनीकी सुरक्षा, शिकायत निवारण, निगरानी और जन-जागरूकता के स्तर पर सुधार हुआ है। मगर इसका अर्थ यह नहीं कि आम नागरिकों के लिए खतरा समाप्त हो गया है। यूपीआई ने भारत में भुगतान व्यवस्था को आम आदमी तक पहुंचाया है। यह सुविधा जितनी उपयोगी है, उतनी ही सावधानी भी मांगती है। वित्त वर्ष 2024 में यूपीआई धोखाधड़ी के 13.42 लाख मामले दर्ज किए गए थे, जिनमें कुल 1,087 करोड़ रुपये की हेराफेरी हुई।

हाल के रुझानों में इन मामलों में कमी जरूर आई है, लेकिन यूपीआई से जुड़े खतरे पूरी तरह समाप्त नहीं हुए हैं। अधिकांश मामलों में ठग अज्ञात लिंक या क्यूआर कोड भेजते हैं, ओटीपी या पिन मांगते हैं या किसी लाभ, इनाम, कैशबैक अथवा आपात स्थिति का झांसा देकर खाते खाली कर देते हैं। साइबर ठगी की दुनिया में 'डिजिटल अरेस्ट' सबसे भयावह रूप में सामने आया है। इसमें ठग खुद को पुलिस, सीबीआई, ईडी, कस्टम या किसी अन्य जांच एजेंसी का अधिकारी बताते हैं। वे वीडियो कॉल पर पीड़ित को डराते हैं कि उसका नाम मनी लॉनड्रिंग, ड्रग्स तस्करी, हवाला या किसी आपराधिक मामले से जुड़ गया है। इसके बाद उसे 'डिजिटल निगरानी' या 'वर्चुअल गिरफ्तारी' के नाम पर कमरे में बंद रहने, किसी से बात न करने और पैसे ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया जाता है। कई लोग भय, सामाजिक बदनामी और कानूनी कार्रवाई के डर से लाखों-करोड़ों रुपये गंवा बैठते हैं। डिजिटल अरेस्ट का मनोविज्ञान बेहद खतरनाक है। ठग तकनीक से ज्यादा डर और भ्रम का इस्तेमाल करते हैं। वे सरकारी प्रतीकों, नकली पहचान पत्रों, वीडियो कॉल, अदालत या जांच एजेंसी जैसे शब्दों और धमकी भरे लहजे से पीड़ित को मानसिक रूप से अस्थिर कर देते हैं। धोखाधड़ी से बचने का पहला उपाय है-लालच और लापरवाही से बचना। किसी भी अनजान कॉल, लिंक, क्यूआर कोड, निवेश प्रस्ताव, लॉटरी, कैशबैक, नौकरी, कर्ज या सरकारी योजना के नाम पर मिले संदेश पर तुरंत भरोसा नहीं करना चाहिए। कोई भी बैंक, सरकारी एजेंसी, पुलिस या रिजर्व बैंक कभी फोन पर ओटीपी, पिन, पासवर्ड, कार्ड नंबर, सीवीवी या नेट बैंकिंग विवरण नहीं मांगता। किसी भी लिंक पर क्लिक करने, स्क्रीन शेयर करने, ऐप डाउनलोड करने या खाते से पैसे भेजने से पहले उसकी प्रामाणिकता जांचना जरूरी है।

दूसरा उपाय है-समय पर शिकायत करना। डिजिटल धोखाधड़ी होने पर घबराने या चुप रहने के बजाय तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करना चाहिए और राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज करानी चाहिए। संबंधित बैंक, यूपीआई ऐप या वॉलेट सेवा प्रदाता को भी तुरंत सूचना देनी चाहिए। बैंकिंग और डिजिटल अर्थव्यवस्था भारत की बड़ी शक्ति हैं। लेकिन यह शक्ति तभी सुरक्षित रह सकती है, जब भरोसे के साथ सावधानी भी जुड़ी रहे। धोखाधड़ी से बचाव का सबसे सरल मंत्र यही है-लालच से दूरी, लापरवाही से सावधानी और हर संदिग्ध स्थिति में तुरंत शिकायत। यही सतर्कता आम नागरिक की मेहनत की कमाई, बैंकिंग व्यवस्था की विश्वसनीयता और देश की वित्तीय सुरक्षा-तीनों की रक्षा कर सकती है।

(लेखक आर्थिक स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

आधी दुनिया

डॉ. मोनिका शर्मा

हमारी बेटियों की सशक्त कदमताल

हाल ही में समानता और सशक्तिकरण के पथ पर कदमताल करती बेटियों और भारतीय सेना के लिए एक और विशेष दिन इतिहास के पन्नों में दर्ज हुआ। ध्यातव्य है कि देश में पहली बार नेशनल डिफेंस एकेडमी के पहले महिला बैच की चौदह बेटियां एक साल का कठिन प्रशिक्षण पूरा कर भारतीय सेना और वायुसेना में अफसर बनी हैं। देहरादून और हैदराबाद दोनों जगहों को मिलाकर कुल 746 कैडेट्स भारतीय सेना का हिस्सा बने हैं। इनमें देहरादून की इंडियन मिलिट्री एकेडमी और हैदराबाद की डुंडीगुल एयर फोर्स एकेडमी में आयोजित एनडीए पासिंग आउट परेड-2026 के बाद 14 बेटियों को भी सेना में कमीशन मिला है। ज्ञात हो कि चार साल पहले उच्चत्तम न्यायालय के आदेश के बाद ही महिलाओं के लिए नेशनल डिफेंस एकेडमी में जाने के रास्ते खुले थे। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद अगस्त 2022 में एनडीए में महिला कैडेट्स के पहले बैच को प्रवेश मिला। 3 साल के बेहद कड़े प्रशिक्षण के बाद पिछले साल मई महीने में 18 महिला कैडेट्स ग्रेजुएट हुईं। इन्हीं में से 9 महिला कैडेट्स ने इंडियन आर्मी में ज्वाइन करने का फैसला लिया और देहरादून के इंडियन मिलिट्री अकादमी में करीब 1 साल की कड़ी ट्रेनिंग ली थी। वहीं हैदराबाद के डुंडीगल स्थित एयर फोर्स अकादमी से 5 महिला कैडेट्स ने कमीशन प्राप्त किया है। यह पहला अवसर है जब महिला कैडेट्स ने सीधे स्थायी कमीशन प्राप्त किया है। ज्ञात हो कि पहले महिलाओं को केवल 'शॉर्ट सर्विस कमीशन' के जरिए ही सेना में प्रवेश मिलता था। ऐसे में यह केवल नेशनल डिफेंस एकेडमी के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। विचारणीय है कि लैंगिक समानता और सामाजिक बदलाव लाने से लेकर रोजगार के मोर्चे तक, यह महिलाओं के लिए नई आशाओं और हौसले को जगाने वाली बात है। साथ ही यह बेटियों को अपनी रुचि, क्षमता और योग्यता के अनुसार आगे बढ़ने का अवसर मिलने का परिवेश बनाने से जुड़ा बदलाव भी है। भारतीय सैन्य अकादमी की पासिंग आउट परेड के 94 साल के इतिहास में पहली बार 9 महिला कैडेट्स ने पुरुष कैडेटों के साथ 'अंतिम पग' पार कर भारतीय सेना में सैन्य अधिकारी बनना हर मोर्चे पर महिलाओं की सबलता का परिचायक है। हालांकि भारतीय सेना, भारतीय नौसेना और भारतीय वायुसेना में महिलाओं की पहले से ही भागीदारी है, पर भारतीय सैन्य अकादमी के एक लंबे सैन्य इतिहास में पुशु कैडेट्स संग साझी कदमताल का यह पल थोड़ा विशेष है। कुछ समय पहले भारतीय नौसेना ने भी पहली बार महिला नाविकों को सेवा में शामिल किया था। सुखद है कि हालिया बरसों में गणतन्त्र दिवस की परेड को कमांड करने से लेकर मुश्किल मिलिट्री ऑपरेशन्स तक, बेटियां अब आर्म्ड फोर्सेस में अहम भूमिका में दिखने लगी हैं। इतना ही नहीं, सेना की तीनों ही यूनिट्स में स्त्री शक्ति का खुले मन से स्वागत भी किया जा रहा है। अपनी योग्यता और क्षमता के बल पर महिलाएं सैन्य संसार में लीडिंग रोल में आ रही हैं। पिछले कुछ बरसों में सैन्य बलों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने से जुड़े अहम बदलाव भी हुए हैं।इन्हीं बदलावों के अंतर्गत सरकार ने सेना में महिलाओं को स्थायी कमीशन देने को मंजूरी दी थी। यूनियन डिफेंस मिनीस्ट्री से मिली ऑफिशियल मंजूरी के बाद भारतीय सेना के सभी दस हिस्सों में महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन मिला है। इन डिपार्टमेंट्स में आर्मी एयर डिफेंस, सिग्नल्स, इंजीनियर्स, आर्मी एविएशन, इलेक्ट्रॉनिक्स व मैकेनिकल इंजीनियरिंग, आर्मी सर्विस कॉर्प्स और इंटेलिजेंस कॉर्प्स आदि शामिल हैं। यह सैन्य बलों में नारी शक्ति की बढ़ती भागीदारी की ही बानगी है कि कर्तव्य पथ पर महिला दस्ते की अगुआई में परेड होना भी एक अहम शुरुआत रही। 72वें रिपब्लिक डे के अवसर पर पहली बार थल सेना, नौसेना और वायु सेना के महिला सैन्य दल भी परेड में शामिल हुए थे। दरअसल, वर्ष 1992 तक महिलाओं को केवल सशस्त्र सेना मेडिकल कोर में शामिल किया जाता था। नौसेना में भी महिलाओं को कुछ चुनी हुई शाखाओं में अल्पकालिक कमीशन अफ़सर के रूप में भर्ती किया जाता था। यहां तक कि लड़कियों के लिए सैनिक स्कूलों में पढ़ने के रास्ते भी हाल ही में खुले हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2021 में अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण में देश के सभी सैनिक स्कूलों में छात्राओं के नामांकन को खोलने की ऐतिहासिक घोषणा की थी। यही वजह है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी कहा कि 9 महिला ऑफिसर कैडेट्स के पास आउट होने का मतलब है कि भारत में महिलाओं को पुरुषों के बराबर ही हक दिया जाता है और महिलाएं भी पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर इस देश की तरक्की और इस देश की सुरक्षा में अपनी भागीदारी निभा रही है ।

(लेखिका स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

बड़े भाग मानुष तनु पावा

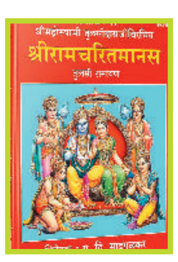

संकलित
दर्शन

संवाद का ऐसा सांगोपांग निर्वहन संसार के किसी स्मृति साहित्य में नहीं मिलेगा, जो श्रीरामचरितमानस में है। पूरा मानस भक्त काकभुशुंडि और ज्ञानी पक्षीराज गरुड़ के बीच का संवाद है। भक्त काकभुशुंडि वक्ता हैं और ज्ञानी गरुड़ श्रोता हैं। भक्त प्रतिपादन कर रहा है और ज्ञानी जिज्ञासा कर रहा है। भक्त के प्रतिपादन में भावना का वह समुद्र लहराता है, जिसमें तनिक भी खारापन नहीं होता है और ज्ञानी की जिज्ञासा में कुतर्क का अभाव होता है। भक्त और ज्ञानी दोनों का परम उद्देश्य रामराज्य है, जो आचरण के उपादान के बगैर संभव नहीं है। समग्र रामकथा श्रवण के पश्चात पक्षीराज गरुण काकभुशुंडि जी से सात प्रश्नों की जिज्ञासा करते हैं। पहला प्रश्न पूछते हुए वह कहते हैं कि सबसे दुर्लभ शरीर कौन सा है? काकभुशुंडि जी उत्तर देते हैं कि मनुष्य शरीर सबसे दुर्लभ है, क्योंकि मैंने स्वयं भी इसी शरीर के रहते भगवान और उनकी भक्ति को पाया है। वह कहते हैं कि मनुष्य तन ही वह उपलब्धि है, जो मोक्ष सुख का अनुभव भी करा सकता है। स्वर्ग के सुख को लोग भले ही श्रेष्ठ मानते हों, पर अंत में वह भी अल्प है और दुख का कारण बनता है। भक्त के जीवन में जो प्राप्त शरीर है, वह भी आराध्य को पाने का उपादान होने के कारण पूज्य हो जाता है। संसार में भी किसी व्यक्ति के सहयोग से यदि हमें कुछ विशेष उपलब्धि हो गई हो तो हम जीवन भर उसके कृतज्ञ रहते हैं, उसी प्रकार काकभुशुंडि जी कह रहे हैं कि शरीर मिथ्या तो तब होगा, जब इसका उद्देश्य भोगों की प्राप्ति हो।

झूठे आरोप का सामना बुद्धिमानी व धैर्य के साथ करें

संकलित
प्रेरणा

उस समय द्वारका में सत्राजित नाम का व्यक्ति था, वह सूर्य भक्त था। उसकी भक्ति से प्रसन्न होकर सूर्य देव ने उसे स्यमंतक नाम की चमत्कारी मणि दी थी। इस मणि की खास बात ये थी कि ये हर रोज बीस तोला सोना देती थी। मणि की वजह से सत्राजित बहुत धनवान हो गया था। एक दिन श्रीकृष्ण ने सत्राजित से कहा कि आप ये मणि राजकोष में दे देंगे तो राज व्यवस्था के लिए हमें भी थोड़ा धन मिल जाएगा। श्रीकृष्ण की बात सुनकर सत्राजित ने मणि देने से मना कर दिया। सत्राजित की ना सुनकर श्रीकृष्ण वहां से अपने महल लौट आए। सत्राजित का एक भाई था प्रसेनजित। प्रसेनजित ने अपने भाई को बिना बताए उसकी स्यमंतक मणि ले ली और जंगल में शिकार खेलने चला गया। जंगल में एक शेर ने प्रसेनजित को मार दिया और खा गया। प्रसेनजित के पास से स्यमंतक मणि वही गिर गई। इधर सत्राजित को अपना भाई और मणि दिखाई नहीं दी तो उसने पूरी द्वारका में ये खबर फैला दी कि कृष्ण ने मेरी मणि चुराई है और मेरे भाई प्रसेनजित की हत्या कर दी है। श्रीकृष्ण ने विचार किया कि इस कलंक को मिटाना होगा। जंगल में श्रीकृष्ण को शेर के पंजों के निशान दिखाई दिए। श्रीकृष्ण मणि खोजने लगे। वहीं पास में एक गुफा के बाहर कुछ बच्चे मणि से खेल रहे थे, श्रीकृष्ण ने मणि देख ली। उस गुफा में जामवंत रहते थे। श्रीकृष्ण गुफा में पहुंचे। गुफा में श्रीकृष्ण और जामवंत का युद्ध हुआ। युद्ध में श्रीकृष्ण जीते तो जामवंत ने अपनी पुत्री जामवती का विवाह श्रीकृष्ण से कर दिया और स्यमंतक मणि भी दे दी।

अंतर्मन

आज की पाती

भारत-बांग्लादेश संबंधों में बढ़ता अविश्वास

भारत और बांग्लादेश के संबंध दक्षिण एशिया की कूटनीति में विशेष महत्व रखते हैं। वर्ष 1971 में बांग्लादेश की स्वतंत्रता के समय भारत ने जिस प्रकार राजनीतिक, सैन्य और मानवीय सहयोग प्रदान किया, उसने दोनों देशों के बीच मैत्री और विश्वास की मजबूत नींव रखी। पिछले पांच दशकों में व्यापार, सुरक्षा, ऊर्जा, संपर्क, जल संसाधन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति तथा बांग्लादेश की विकासोन्मुख विदेश नीति ने भी संबंधों को नई ऊंचाइयां प्रदान की हैं। इसके बावजूद हाल के वर्षों में दोनों देशों के संबंधों में तनाव और अविश्वास के संकेत दिखाई दिए हैं। दोनों देशों के बीच विश्वास और सहयोग दक्षिण एशिया की स्थिरता और समृद्धि के लिए आवश्यक है।

– प्रशांत त्यागी, जदगलपुर

करंट अफेयर

भारत नवाचार का देश है फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने रविवार को कहा कि भारत नवाचार का देश है। उन्होंने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) और जलवायु परिवर्तन जैसे अहम क्षेत्रों में भारत और फ्रांस के बीच सच्ची साझेदारी है। मैक्रों यहां आयोजित 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जिसका उद्घाटन उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ किया। फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने कहा, 'हम 'मेक-इन-इंडिया' पहल का सम्मान करते हैं। फ्रांस विभिन्न क्षेत्रों में इसका हिस्सा रहा है।' उन्होंने कहा, ''भारत नवाचार का देश है। एआई और जलवायु परिवर्तन जैसे अहम क्षेत्रों में भारत-फ्रांस के बीच सच्ची साझेदारी है।' मैक्रों ने कहा, ''असैन्य परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने की गुंजाइश है, जिसमें 'स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर्स' का क्षेत्र भी शामिल है। 'भारत इनोवेट्स 2026' भारत सरकार की एक प्रमुख पहल है, जिसे देश के 'डीप-टेक स्टार्टअप' और अनुसंधान उपक्रमों को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है। इस कार्यक्रम का मकसद भारत, फ्रांस और अन्य देशों के शीर्ष नवाचार स्टार्टअप और वेंचर कैपिटल फंड को साथ लाना है।

ऑफ बीट

नाक से सांस लेने पर आपकी दौड़ हो सकती है आसान

श्वास अवचेतन है। हमें इसके बारे में सोचने की ज़रूरत नहीं है – यह बस हो जाता है। कम और मध्यम तीव्रता वाले व्यायाम (जैसे पैदल चलना और साइकिल चलाना) के दौरान, हममें से अधिकांश लोग अपनी नाक से सांस लेते हैं और अपने मुंह से सांस छोड़ते हैं। लेकिन व्यायाम जितना अधिक तीव्र होता जाता है, उतना ही हम पूरी तरह मुंह से सांस लेने लगते हैं। हममें से अधिकांश लोग यह मानेंगे कि गहन व्यायाम के दौरान मुंह से सांस लेना सबसे अच्छी तकनीक है, क्योंकि यह हमारी मांसपेशियों तक अधिक ऑक्सीजन पहुंचने में मदद देता है। लेकिन सबूत इसके विपरीत दिखाते हैं – और यह कि आपकी नाक से सांस लेना वास्तव में गहन व्यायाम (जैसे दौड़ना) के दौरान उपयोग करने के लिए एक बेहतर तकनीक हो सकती है। व्यायाम करते समय, मुंह से सांस लेने की तुलना में नाक से सांस लेने पर कम ऑक्सीजन का उपयोग होता है। हालांकि यह कोई फ़ायदा नहीं लग सकता है, लेकिन मूल रूप से इसका मतलब यह है कि शरीर कम ऑक्सीजन का उपयोग करते हुए भी उतनी ही मात्रा में व्यायाम कर सकता है। और गति को अधिक समय तक बनाए रखना ही सफलता का मूलमंत्र है।

ट्रेंड

हर संकल्प पूरा किया

प्रधानमंत्री मोदी सिर्फ कहते नहीं हैं, बल्कि उसे करके भी दिखाते हैं। चाहे जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाना हो, अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हो, हमने अपने हर संकल्प को पूरा किया है।

- राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

विदेशी ताकतें

कमज़ोर प्रधानमंत्री के राज में, भारतीय होने का मतलब है पूरी तरह बर्बाद हो जाना। विदेशी ताकतें हमारे नागरिकों को मार देती हैं। हमारी सरकार एक आज्ञाकारी नौकर की तरह चुपचाप आदेश मानती है- और हमारे नागरिकों को मरने के लिए छोड़ दिया जाता है।

-राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

विकसित भारत की दिशा

गुवाहाटी-सिलचर एक्सप्रेसवे, नामरूप फर्टिलाइज़र प्लांट और कामाख्या कॉरिडोर सिर्फ़ इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स नहीं हैं। ये लाखों लोगों की उम्मीदों में निवेश और विकसित भारत की दिशा में एक बड़ा कदम हैं। **- हिमंत बिस्वा सरमा,** सीएम, असम

बिहार की समृद्ध विरासत

नालंदा की बावन बूटी साड़ी और फ़ैब्रिक, गया की पत्थरकट्टी स्टोन क्राफ़्ट और भोजपुर की पिड़िया पेंटिंग को ज्योग्राफ़िकल इंडिकेशन (जीआई) टैग मिला है। इससे देश और दुनिया में बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का मान और बढ़ेगा।

- नीतीश कुमार, सांसद, राज्य सभा

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

खनिजों को 'वनोपज' मानकर ट्रांजिट शुल्क तय, सरकार ने जारी की नई दरें

रेलवे परिवहन को मिली राहत, सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर टिकी आगे की दिशा, बैलगाड़ी या भैंसागाड़ी पर 150 रुपए प्रति गाड़ी शुल्क लिया जाएगा

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने खनिजों और वनोपज के परिवहन पर लिए जाने वाले ट्रांजिट शुल्क को लेकर नई दरें तय की हैं। इसमें चूना पत्थर, डोलोमाइट, कोयला, लौह अयस्क, बॉक्साइट और सोने सहित कई खनिजों को वनोपज की श्रेणी में रखते हुए उनके परिवहन पर शुल्क निर्धारित किया गया है। हालांकि छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के आदेश के बाद रेलवे के माध्यम से किए जाने वाले परिवहन को इस शुल्क से बाहर रखा गया है। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग अब खनिजों के परिवहन के लिए ट्रांजिट पास जारी करने पर 57 रुपए प्रति टन शुल्क वसूल करेगा। वहीं फ्लैग स्टोन, ग्रेनाइट, मार्बल, गिट्टी, पत्थर, रेत और मुरुम के परिवहन पर 40 रुपए प्रति घनमीटर शुल्क निर्धारित किया गया है।

नई दरों में जिन खनिजों को वनोपज की सूची में रखा गया है, उनमें लाइमस्टोन (चूना पत्थर), डोलोमाइट, फायर क्ले, मैंगनीज, कॉपर, रॉक फॉस्फेट, पायरोफिलाइट,

डायास्पोर, ओकर, बॉक्साइट, कैल्साइट, कोयला, क्वार्ट्ज, सिलिका सैंड, स्लेट, सोप स्टोन, आयरन ओर (लौह अयस्क), सोना, कोरंडम और टीन अयस्क शामिल हैं। इन सभी के परिवहन पर 57 रुपए प्रति टन ट्रांजिट शुल्क निर्धारित किया गया है। सरकार ने फ्लैग स्टोन, ग्रेनाइट, मार्बल, ब्लास्ट (गिट्टी), पत्थर, रेत और मुरुम के लिए अलग शुल्क संरचना तय की है। इनके परिवहन पर 40 रुपए प्रति घनमीटर ट्रांजिट शुल्क लिया जाएगा। इमारती लकड़ी, जलाऊ लकड़ी और बांस के परिवहन के लिए वाहन के प्रकार के अनुसार शुल्क निर्धारित किया गया है। छह चक्के तक के ट्रक पर 500 रुपए प्रति ट्रक, छह से अधिक और दस चक्के तक के ट्रक पर 700 रुपए प्रति ट्रक, दस चक्कों से अधिक वाले ट्रक पर 1000 रुपए प्रति ट्रक, दोपहिया ट्रॉली वाले ट्रैक्टर पर 200 रुपए, दो से अधिक पहियों वाली ट्रॉली पर 350 रुपए, बैलगाड़ी या भैंसागाड़ी पर 150 रुपए प्रति गाड़ी शुल्क लिया जाएगा। विवाद का केंद्र यह है कि राज्य सरकार खनिजों को भी वनोपज की श्रेणी में रखती है। सामान्य तौर पर वनोपज का अर्थ लकड़ी, बांस, तेंदूपत्ता या जंगल से प्राप्त अन्य उत्पादों से लगाया जाता है, लेकिन भारतीय वन अधिनियम 1927 में वनोपज की परिभाषा अपेक्षाकृत व्यापक है। इसी आधार पर छत्तीसगढ़ में वर्षों से कई खनिजों के परिवहन पर वन विभाग ट्रांजिट पास जारी करता रहा है और शुल्क वसूलता रहा है। उद्योग जगत और खनन कंपनियां लंबे समय से इस व्यवस्था पर सवाल उठाती रही हैं। उनका तर्क है कि खनिज पहले ही रॉयल्टी, डीएमएफ और अन्य शुल्कों के दायरे में आते हैं, ऐसे में उन्हें वनोपज मानकर अतिरिक्त ट्रांजिट शुल्क लगाना उचित नहीं है।

यह मामला तब चर्चा में आया, जब सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में याचिका दायर की। कंपनी का कहना था कि रेलवे के माध्यम से परिवहन किए जा रहे लौह अयस्क पर ट्रांजिट शुल्क नहीं लगाया जा सकता। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने 6 जनवरी 2026 को दिए अपने फैसले में कहा कि रेलवे परिवहन पर इस प्रकार का ट्रांजिट शुल्क लागू नहीं किया जा सकता। अदालत ने माना कि रेलवे केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र का विषय है और राज्य सरकार के ट्रांजिट नियम रेलवे परिवहन पर लागू नहीं होंगे। इसी फैसले के अनुपालन में राज्य सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि रेलवे के माध्यम से किए जाने वाले वनोपज अथवा सूचीबद्ध खनिजों के परिवहन पर यह शुल्क लागू नहीं होगा।

सुप्रीम कोर्ट में अभी बाकी है अंतिम फैसला

हालांकि सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि इसके सभी प्रावधान सुप्रीम कोर्ट में लंबित विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) के अंतिम निर्णय के अधीन रहेंगे। यानी खनिजों को वनोपज मानने और उन पर ट्रांजिट शुल्क वसूलने का विवाद अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। अंतिम कानूनी स्थिति अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले से तय होगी।

खबर संक्षेप

1 जुलाई से प्रारंभ होने संबंधी सूचना भ्रामक एवं फर्जी

रायपुर। संचालक, लोक शिक्षण संचालनालय, छत्तीसगढ़ द्वारा जारी पत्र दिनांक 12 जून के अनुसार राज्य की समस्त शासकीय एवं अशासकीय शालाओं में शैक्षणिक सत्र 2026-27 का विधिवत संचालन 16 जून, मंगलवार से प्रारंभ किया जाएगा। इस संबंध में सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों पर प्रसारित की जा रही यह सूचना कि शैक्षणिक सत्र 1 जुलाई से प्रारंभ होगा, पूर्णतः असत्य, भ्रामक तथ्यों से परे एवं फर्जी है। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा स्पष्ट किया गया है कि विद्यालयों के संचालन की अधिकृत तिथि 16 जून ही है। अतः विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं आम नागरिकों से अपील की जाती है कि वे केवल विभाग द्वारा जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही विश्वास करें तथा सोशल मीडिया पर प्रसारित अपुष्ट एवं भ्रामक जानकारी पर ध्यान न दें।

---

40 लाख की लागत से प्रदेश का पहला शासकीय फिटनेस सेंटर

हाईटेक महतारी सदन व योग भवन की अतिथियों ने की तारीफ, मातृशक्ति को मिला तोहफा

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

रायपुर पश्चिम क्षेत्र के विप्रनगर रायपुरा में 1 करोड़ 20 लाख की लागत से निर्मित हाईटेक महतारी सदन और महिला योग भवन व जुम्बा सेंटर का भव्य लोकार्पण रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल और क्षेत्र के विधायक राजेश मूणत ने किया। महतारी सदन में समाज के आर्थिक रूप से कमजोर और मध्यमवर्गीय परिवारों के नौनिहालों के लिए कॉन्वेंट की तर्ज पर आधुनिक प्ले स्कूल और डे-केयर सेंटर की सुविधा मिलेगी। मातृशक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन के लिए यहां अलग से 40 लाख की लागत से प्रदेश का पहला शासकीय सर्व सुविधायुक्त फिटनेस हब तैयार किया गया है।

लोकार्पण समारोह के मुख्य अतिथि रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने इस मौके पर कहा कि छत्तीसगढ़ के नगरीय विकास की दिशा में एक अनुकरणीय मील का पत्थर है। विधायक राजेश मूणत ने कंक्रीट के ढांचे को सामाजिक संवेदनशीलता के साथ जोड़कर एक नया मॉडल प्रस्तुत किया है। 1.20 करोड़ की यह संचयी सौगात इस बात को प्रमाणित करती है कि हमारी डबल इंजन सरकार अंत्योदय और नारी शक्ति के सशक्तिकरण के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

आर्थिक अभाव के कारण हीनभावना नहीं आने दूंगा : मूणत

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने कहा कि मेरा स्पष्ट मानना है कि वास्तविक विकास सीमेंट और गगनचुंबी इमारतों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उसका सीधा लाभ समाज के अंतिम छोर पर खड़े नागरिक को मिलना चाहिए। विप्रनगर का यह प्रोजेक्ट हमारी इसी नीति का परिणाम है। मैं क्षेत्र के किसी भी बच्चे में आर्थिक अभाव के कारण हीनभावना नहीं आने दूंगा। इसके अतिरिक्त माताओं और बहनों के उत्तम स्वास्थ्य के लिए 40 लाख की लागत से निर्मित प्रदेश का पहला सर्व सुविधायुक्त वातानुकूलित योग व जुम्बा सेंटर हमारी मातृशक्ति को समर्पित है। श्री मूणत ने अपने उद्बोधन में कहा, सभी के सहयोग से रायपुर पश्चिम को देश की अग्रणी और आत्मनिर्भर मॉडल विधानसभा बनाना ही मेरा सर्वोच्च ध्येय है। महापौर मीनल चौबे ने इस मौके पर कहा कि रायपुर नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत विप्रनगर में स्थापित यह सर्व सुविधायुक्त परिसर स्थानीय महिलाओं और बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए एक वरदान साबित होगा। एक महिला प्रतिनिधि के रूप में विधायक राजेश मूणत के इस दूरगामी और कल्याणकारी सोच की सराहना करती हूं। श्रीमती चौबे ने कहा कि यह स्वतंत्र योग भवन उन महिलाओं को सुरक्षित और आधुनिक मंच प्रदान करेगा, जो आर्थिक संकोच के कारण महंगे व्यावसायिक केंद्र में नहीं जा पाती थीं। नगर निगम प्रशासन इस पूरे परिसर के सुचारू संचालन, बुनियादी स्वच्छता और प्रबंधन कार्य के लिए पूरी तरह से संकल्पित है। लोर्कापण अवसर पर बतौर विशिष्ट अतिथि रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी, उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू, महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौर, एमआईसी सदस्य दीपक जायसवाल, सरिता-आकाश दुबे, गायत्री-सुनील चंद्राकर, जोन अध्यक्ष प्रीतम ठाकुर, पार्षद अर्जुन यादव, महेंद्र औसर आदि उपस्थित रहे।

थोक में बदले गए सीएमओ कई निरीक्षक प्रभारी बने

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

राज्य शासन ने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अधिकारियों की नवीन पदस्थापना की है। इनमें मुख्य नगरपालिका अधिकारी से लेकर राजस्व निरीक्षक, स्वास्थ्य निरीक्षक, राजस्व उप निरीक्षक और सहायक ग्रेड-2 शामिल हैं। विभाग ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी किरण पटेल और सहायक राजस्व निरीक्षक राजेश तिवारी का निलंबन समाप्त करते हुए बम्हनीडीह नगर पंचायत और खैरागढ़ नगर पालिका में पदस्थ किया है। दोनों के विरुद्ध विभागीय जांच जारी रहेगी। विभाग ने स्थानांतरित सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को नवीन पदस्थापना स्थल पर 7 दिनों के भीतर कार्यभार ग्रहण कर विभाग को सूचित करने के निर्देश दिए हैं। समयावधि में कार्यभार ग्रहण नहीं करने पर वर्तमान स्थान से वेतन आहरित नहीं होगा। इसके उल्लंघन पर नियंत्रण अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

नगरपालिका 'ख' वर्ग के सीएमओ का तबादला

रायपुर नगर निगम के जोन आयुक्त पद पर कार्यरत अरुण कुमार ध्रुव को सीएमओ नगरपालिका दंतेवाड़ा, कवर्धा नगरपालिका में सीएमओ रोहित कुमार साहू को सीएमओ नगर पंचायत धमधा, दीपका नगरपालिका के सीएमओ राजेश गुप्ता को सीएमओ नगरपालिका गौरेला, नगर पंचायत बेरला के सीएमओ सचिन गुप्ता को नगरपालिका कोण्डागांव, नगरपालिका आरंग की सीएमओ शीतल चंद्रवंशी को नगरपालिका चांपा, नगर पंचायत धमधा के सीएमओ नेतराम रत्नेश को नगरपालिका दीपका, गौरेला नगरपालिका में सीएमओ नारायण साहू को नगरपालिका कवर्धा की जिम्मेदारी दी गई है।

नगरपालिका 'ग' वर्ग के सीएमओ के तबादले

रामसंजीवन सोनवानी सीएमओ चांपा नगरपालिका को नगरपालिका आरंग, नगरपालिका दंतेवाड़ा सीएमओ वीकेएस पलदास सीएमओ नगर पंचायत भोपालपट्टनम, नगर पंचायत इंदौरी के सीएमओ प्रदीप सिंह ठाकुर को नगर पंचायत दाढ़ी में पदस्थ किया गया है।

निरीक्षकों को बनाया प्रभारी सीएमओ

देवेश चंदेल राजस्व निरीक्षक नगरपालिका कोण्डागांव को प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी के रूप में नगर पंचायत केशकाल में पदस्थ किया है। श्रीनिवास द्विवेदी स्वास्थ्य निरीक्षक नगरपालिका कवर्धा को प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर पंचायत इंदौरी, आशा जंघेल सहायक वर्ग-02 नगरपालिका जामुल को प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर पंचायत उतई, प्रभाकर शुक्ला राजस्व उप निरीक्षक, नगर निगम अंबिकापुर को प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी के रूप में नगर पंचायत धरमजयगढ़, भारतलाल साहू राजस्व उप निरीक्षक नगर पंचायत धरमजयगढ़ को प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर पंचायत बड़ी करेली, लक्ष्मण सिंह देहारी राजस्व उप निरीक्षक नगर पंचायत नया बाराद्वार को प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर पंचायत बेरला में पदस्थ किया गया है।

शराब दुकान से सात लाख कैश से भरा लॉकर उठा ले गए शातिर, डीवीआर तक नहीं छोड़ा

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

आमानाका थाना क्षेत्र के सरोना स्थित कम्पोजिट अंग्रेजी शराब दुकान में चोरों ने धावा बोलते हुए लॉकर समेत सात लाख रुपए कैश पार कर दिए। पुलिस से बचने के लिए शातिर चोर शराब दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर भी साथ में चोरी कर ले गए। चोरी की घटना शनिवार-रविवार दरमियानी रात की है। इसकी जानकारी सुबह साढ़े 10 बजे तब मिली, जब कर्मचारी शराब दुकान खोलने पहुंचे। उन्हें दुकान के बाहर गेट का ताला टूटा हुआ मिला। इसके बाद शराब दुकान के सुपरवाइजर थाने में चोरी की शिकायत दर्ज कराने पहुंचे।

पुलिस के अनुसार, घटना दिनांक की रात अज्ञात चोर शराब दुकान पहुंचे और दुकान के बाहर लगे लोहे के दरवाजे का ताला तोड़कर शराब दुकान के अंदर प्रवेश किए। पुलिस को आशंका है कि चोरों ने पहले लॉकर को तोड़ने की कोशिश की होगी, लॉकर नहीं टूटने पर नोटों से भरा लॉकर ही उखाड़कर ले गए। जहां शराब दुकान संचालित हो रही है, वह जगह खुले मैदान में है। मैदान के चारों तरफ का इलाका सुनसान है। मैदान के चारों तकफ बाउंड्री है। इसलिए किसी को चोरी की भनक नहीं लगी। चोर दुकान से कैश चोरी करने के साथ ही कई महंगी ब्रांड की शराब भी ले गए हैं। घटना की जानकारी मिलने पर आबकारी अफसर भी मौके पर पहुंचे।

कपड़ों पर महंगाई की ऐसी मार, आधा हो गया शादियों के सीजन में कारोबार

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

अमेरिका, इजरायल, ईरान युद्ध की आग में कपड़ा सेक्टर भी बुरी कदर झुलस गया है। कपड़ों की कीमत में 25 से 30 फीसदी का इजाफा होने के कारण इस बार शादियों के सीजन में कारोबार आधा भी नहीं हो सका है। इस बार सीजन में 800 करोड़ के कारोबार की संभावना थी, लेकिन चार सौ करोड़ का भी कारोबार नहीं हो सका है। आने वाले समय में त्योहारी सीजन में जहां इसका बड़ा असर पड़ेगा, वहीं देवउठनी एकादशी के बाद इस साल होने वाली शादियों पर भी इसका असर दिखेगा।

युद्ध के कारण हर सेक्टर प्रभावित हो गया है। ऐसा कोई सेक्टर नहीं होगा, जिस पर महंगाई की मार न पड़ रही हो। महंगाई की मार के कारण हर सेक्टर का कारोबार प्रभावित हो रहा है। अक्षय तृतीया के बाद का शादियों का सीजन बहुत प्रभावित हो गया है। शादियों में सबसे ज्यादा खरीदारी कपड़ों की होती है। शादियों के लिए थोक में लोग कपड़े लेते हैं, लेकिन इस बार शादियों के सीजन के समय में कपड़ों के दाम में इजाफा हो गया। ऐसा होने से कारोबार पूरी तरह से चौपट ही हो गया है।

जहां एक तरफ सामान्य कपड़ों के दाम में इजाफा हुआ है, वहीं रेडीमेड कपड़ों के दाम भी 20 फीसदी तक बढ़े हैं। रेडीमेड में हर आइटम में दाम बढ़े हैं। इसके कारण इसका कारोबार भी प्रभावित हुआ है।

समर वेकेशन के बाद हाईकोर्ट में आज से नियमित सुनवाई, वर्क फ्रॉम होम व्यवस्था समाप्त

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट का ग्रीष्मकालीन अवकाश समाप्त हो गया है। सोमवार 15 जून से हाईकोर्ट की सभी निर्धारित बेंचों में नियमित सुनवाई शुरू होगी। इसके साथ ही हाईकोर्ट प्रशासन ने अधिकारियों और कर्मचारियों को ईंधन की बचत करने और सरकारी वाहनों का साझा उपयोग करने की सलाह दी है।

हाईकोर्ट प्रशासन की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता में सुधार हुआ है, लेकिन अनावश्यक खर्च से बचना अभी भी जरूरी है। न्यायिक अधिकारियों से कहा गया है कि जरूरत पड़ने पर ही सरकारी वाहनों का उपयोग करें।

ध्यान रहे कि हाईकोर्ट में 18 मई से ग्रीष्मकालीन अवकाश शुरू हुआ था। इस दौरान जरूरी मामलों की सुनवाई के लिए वेकेशन बेंचों का गठन किया गया था। प्रत्येक सप्ताह डिवीजन बेंच और सिंगल बेंच में निर्धारित दिनों पर सुनवाई जारी रही। अब सोमवार से नियमित सुनवाई होगी। ताजा जारी आदेश में हाईकोर्ट और जिला न्यायपालिका के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि जहां संभव हो, वे अपने सरकारी वाहनों का उपयोग अन्य अधिकारियों के साथ साझा करें। इससे ईंधन की बचत होगी और संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जा सकेगा।

सप्ताह की कॉज लिस्ट भी जारी

हाईकोर्ट प्रशासन ने 15 जून से शुरू होने वाले सप्ताह की कॉज लिस्ट भी जारी कर दी है। नियमित कामकाज शुरू होने के साथ ही लंबित मामलों की सुनवाई फिर से सामान्य तरीके से की जाएगी। इसके साथ ही हाईकोर्ट प्रशासन ने वर्क फ्रॉम होम की व्यवस्था भी समाप्त कर दी है। अब अधिवक्ता पहले की तरह कोर्ट रूम में उपस्थित होकर अपने मामलों की पैरवी करेंगे। हालांकि, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा पूर्व की तरह उपलब्ध रहेगी, जिससे जरूरत पड़ने पर वर्चुअल माध्यम से भी सुनवाई में शामिल हुआ जा सकेगा।

BILASPUR: INDUSTRIAL AREA, SIRGITTI: SATYA AUTO PVT. LTD.: 9425280148 | PARSADA, TRANSPORT NAGAR: M SQUARE MOTORS: 7000857522 | KORBA: SHED NO 10, RAJGAMAR ROAD, INDUSTRIAL AREA: SATYA AUTO PVT. LTD.: 9516014225 | RAIGARH: NH49, ODISHA ROAD, BANJIPALI, RAIGARH: SATYA AUTO PVT. LTD.: 9109194894 | AMBIKAPUR: MAHAMAYA AUTO CARS: 7583887512, 6261683314.

*नियम और शर्तें लागू। Verified Car History और Warranty केवल True Value प्रमाणित कारों पर लागू। नि:शुल्क सेवा केवल श्रम शुल्क पर लागू है। वाहन पर काला शीशा प्रकाश प्रभाव के कारण होता है। छवियों का इस्तेमाल केवल उदाहरण मात्र है।

महाकाल के लड्डू प्रसाद ने रचा इतिहास, एक साल में 65 करोड़ की रिकॉर्ड बिक्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उज्जैन

श्री महाकालेश्वर मंदिर का प्रसिद्ध लड्डू प्रसाद अब केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि गुणवत्ता, शुद्धता और श्रद्धा का ऐसा संगम बन चुका है जिसकी मांग देशभर में लगातार बढ़ रही है। बीते एक वर्ष में श्रद्धालुओं द्वारा 65 करोड़ रुपये से अधिक का लड्डू प्रसाद खरीदा जाना इसकी लोकप्रियता और दिव्यता का प्रमाण माना जा रहा है। मंदिर प्रबंधन समिति के अनुसार प्रतिदिन डेढ़ से दो लाख श्रद्धालु बाबा महाकाल के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं जो बाबा का आशीर्वाद स्वरूप प्रसाद भी बड़ी मात्रा में अपने साथ ले जा रहे हैं। पिछले एक वर्ष में लगभग सात करोड़ श्रद्धालुओं ने मंदिर में दर्शन किए, जिसके परिणामस्वरूप लड्डू प्रसाद की बिक्री ने नया कीर्तिमान स्थापित किया।

एक मार्च 2025 से 31 मार्च 2026 के बीच मंदिर के लड्डू प्रसाद की बिक्री लगभग 65 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। यह आंकड़ा पिछले वर्षों की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। वर्ष 2023-24 और 2024-25 के दौरान प्रसाद बिक्री से लगभग 54 करोड़ रुपये की आय हुई थी, जबकि उससे पहले के वर्षों में यह आंकड़ा काफी कम था।

रागी लड्डुओं ने भी बनाई विशेष पहचान : मंदिर प्रशासन ने पारंपरिक प्रसाद के साथ-साथ स्वास्थ्यवर्धक विकल्पों को भी बढ़ावा देना शुरू किया है। "श्री अन्न मिशन" के अंतर्गत रागी से तैयार किए जा रहे विशेष लड्डू श्रद्धालुओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। पोषण तत्वों से भरपूर ये लड्डू स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। धार्मिक आस्था और स्वास्थ्य के इस समन्वय ने महाकाल मंदिर के प्रसाद को नई पहचान दी है।

महाकाल प्रसाद को मिली फाइव स्टार रेटिंग

महाकाल मंदिर के लड्डू प्रसाद की गुणवत्ता को राष्ट्रीय स्तर पर भी मान्यता प्राप्त हो चुकी है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण द्वारा प्रसाद निर्माण इकाई को फाइव स्टार रेटिंग प्रदान की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त गुणवत्ता, स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा मानकों के उत्कृष्ट पालन के लिए मंदिर को विशेष पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है।

आस्था और गुणवत्ता ने दिलाई विशेष पहचान

महाकाल के प्रसाद की लगातार बढ़ती बिक्री यह संकेत देती है कि बाबा महाकाल के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था और मंदिर प्रशासन द्वारा बनाए रखी गई गुणवत्ता दोनों ने मिलकर प्रसाद को राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान दिलाई है। यह उपलब्धि धार्मिक पर्यटन और मंदिर प्रबंधन की सफलता का भी महत्वपूर्ण उदाहरण बनकर उभरी है।

रोज तैयार हो रहे 60 क्विंटल से ज्यादा लड्डू

मंदिर में सामान्य दिनों में प्रतिदिन लगभग 60 क्विंटल से ज्यादा लड्डू प्रसाद तैयार किया जाता है, जबकि महाशिवरात्रि, सावन मास और अन्य प्रमुख धार्मिक अवसरों पर यह उत्पादन बढ़कर 150 क्विंटल प्रतिदिन तक पहुंच जाता है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर परिसर में चौबीसों घंटे प्रसाद काउंटर संचालित किए जा रहे हैं ताकि किसी भी भक्त को प्रसाद प्राप्त करने में असुविधा न हो।

शुद्धता, भक्ति और परंपरा का अनूठा संगम : महाकाल मंदिर का लड्डू प्रसाद केवल स्वाद के लिए ही प्रसिद्ध नहीं है, बल्कि इसके निर्माण की प्रक्रिया भी श्रद्धा और अनुशासन से जुड़ी हुई है। शुद्ध देसी घी, बेसन, रवा, शक्कर का भूरा, काजू और किशमिश जैसे उच्च गुणवत्ता वाले पदार्थों का उपयोग कर लड्डू बनाए जाते हैं। चिंतामण रोड स्थित प्रसाद निर्माण इकाई में कर्मचारी 'जय महाकाल' और 'ॐ नमः शिवाय' के उद्घोष के साथ प्रसाद तैयार करते हैं।

खबर संक्षेप

घुसपैठ की कोशिश कर रहे 21 लोगों को रोका

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि राज्य पुलिस और सीमा सुरक्षा बल ने भारत में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे 21 अवैध प्रवासियों को रोक दिया। शर्मा ने कहा, ''असम पुलिस और बीएसएफ के उत्कृष्ट संयुक्त प्रयास से 21 घुसपैठियों की शीघ्र पहचान कर उन्हें भारत में प्रवेश करने से रोक दिया गया।' उन्होंने इस अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी साझा नहीं की। सीएम ने कहा, सीमाओं को सुरक्षित और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना हमारी सीमाओं की रक्षा के लिए बहुआयामी रणनीति जारी है। असम के श्रीभूमि, कछार, धुबरी और दक्षिण शालमारा मानकाचर जिले बांग्लादेश के साथ 267.5 किमी अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करते हैं।

आंध्र प्रदेश के पलनाडु में नाव पलटने से चार डूबे

पलनाडु। आंध्र प्रदेश के पलनाडु जिले में रविवार को एक छोटी गैर-मोटर चालित मछली पकड़ने वाली नाव कृष्णा नदी में पलट जाने से चार लोग डूब गये। नाव में आठ लोग सवार थे। पुलिस ने बताया कि ये लोग नाव से नदी में गए थे और एक छोटे द्वीप से वापस लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। सट्टेनपल्ली के पुलिस उपाधीक्षक हनुमंथ राव ने बताया, /"दो पुरुष और दो महिलाएं डूब गए। नाव पर बच्चे भी सवार थे।

टिल्लू ताजपुरिया गिरोह के दो शूटरों से हथियार, कारतूस बरामद- नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली में टिल्लू ताजपुरिया गिरोह के दो कथित शूटरों को अवैध हथियारों और कारतूसों के साथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि होलंबी खुर्द इलाके में उनकी गतिविधियों के बारे में खुफिया जानकारी मिलने के बाद अपराध शाखा ने विशाल पंडित और दीपांशु को पकड़ा।

टीएमसी पर छाया संकट : काकोली का दावा, बोलीं- हमारे साथ अब 22 सांसद

टीएमसी के बागी सांसदों का नेशनलिस्ट सिटिजन पार्टी में विलय, बिरला से मिले

तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसदों ने आज दिल्ली में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से उनके आवास पर मुलाकात की। टीएमसी के बागी सांसदों ने नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी में विलय कर लिया है। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात के बाद बागी टीएमसी सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय ने कहा कि बागी नेताओं ने नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी के साथ विलय किया है, यह एक राजनीतिक पार्टी है, एक मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय पार्टी है। उन्होंने कहा आगे हम देशहित में और एनडीए के साथ मिलकर काम करेंगे।असली टीएमसी कौन है, यह अदालत में तय होगा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसदों ने रविवार को दिल्ली में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से उनके आवास पर मुलाकात की। इससे पहले ये टीएमसी नेता बीजेपी नेता भूपेंद्र यादव से मिले। पार्टी के अंदर चल रही खींचतान के बीच, बागी तृणमूल कांग्रेस सांसद काकोली घोष दस्तीदार, सुदीप बंद्योपाध्याय, शताब्दी रॉय और अन्य रविवार को राजधानी में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के घर पहुंचे ताकि सदन में बैठने की अलग व्यवस्था की मांग कर सकें। औपचारिक तौर पर बागी आज पत्र सौंपेंगे। वहीं बागी खेमे की सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने दावा किया कि दो और सांसद बागी खेमे में शामिल हो गए हैं जिससे लोकसभा में इस गुट में सदस्यों की संख्या बढ़कर 22 हो जाएगी। सूत्रों का कहना है कि टीएमसी के बागी सांसद एनसीपीआई में विलय कर सकते हैं।

20 नहीं अब 22 सांसद हमारे साथ : काकोली

टीएमसी सांसद काकोली घोष दस्तीदार, जो इस बागी गुट की लीडर बन गई हैं, उन्होंने कहा कि उनके साथ अब 22 सांसद हैं। इससे पहले उन्होंने 20 का दावा किया था। दो नए सांसद और जुड़े हैं, लेकिन उनके नाम अभी नहीं बताए गए। काकोली ने कहा कि जब वो लोग औपचारिक रूप से शामिल होंगे, तभी नाम सामने आएंगे।

19 सांसदों के दस्तखत वाला दस्तावेज आया सामने

शुक्रवार को एक कागज सामने आया जिस पर 19 टीएमसी सांसदों के दस्तखत थे। इन नामों में काकोली घोष दस्तीदार, सताब्दी रॉय, बापी हल्दर, शर्मिला सरकार, प्रसून बनर्जी, जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया, असित माल, अरूप चक्रवर्ती, कालीपद सोरेन, दीपक अधिकारी यानी देव, जून मालिया, पार्थ भौमिक, खलीलुर रहमान, अबू ताहेर खान, यूसुफ पठान, मिताली बाग और माला रॉय शामिल हैं। रचना बनर्जी और सायनी घोष के दस्तखत भी अलग से दिखे।

एनडीए का साथ देने की बात

इस बागी गुट ने यह भी कहा है कि वो केंद्र में भाजपा की अगुवाई वाली एनडीए सरकार को समर्थन देंगे। यानी यह सिर्फ पार्टी से अलग होना नहीं है, बल्कि सीधे विरोधी खेमे में जाने की तैयारी है। ज्ञात हो कि सोमवार को घोष दस्तीदार ने लगभग 20 टीएमसी सांसदों के समर्थन का दावा करते हुए कहा था कि यह गुट केंद्र में बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए का समर्थन करना चाहता है।

अब कौन-कौन सांसद बचा है टीएमसी में

टीएमसी के कई बड़े नेता इस बागी गुट में नहीं हैं। इन नेताओं में अभिषेक बनर्जी, कल्याण बनर्जी, सौगत रॉय, महुआ मोइत्रा, कीर्ती आजाद, शत्रुघ्न सिन्हा, प्रतिमा मंडल और सज्दा अहमद के दस्तखत उस कागज पर नहीं थे जिससे माना जा रहा है कि ये सांसद अभी भी ममता बनर्जी के साथ हैं।

बागी सांसदों ने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के आवास पर बैठक की

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस में संकट रविवार को और गहरा गया, जब ममता बनर्जी के करीबी सुदीप बंद्योपाध्याय ने बागी गुट का समर्थन किया, और बागी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष से ''मूल तृणमूल कांग्रेस'' संसदीय दल के तौर पर मान्यता मांगने से पहले केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के आवास पर बैठक की। बंद्योपाध्याय ने कहा कि बागी सांसदों और विधायकों की अपील के बाद उन्होंने बागी खेमे के साथ बने रहने का फैसला किया। हालांकि, बंद्योपाध्याय ने यह भी कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंपे जाने वाले पत्र पर उन्होंने अभी तक हस्ताक्षर नहीं किए हैं और वे ऐसा केवल पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की मौजूदगी में ही करेंगे।

देहरादून में भड़की दो संप्रदायों में हिंसा

हिंदू नेता की हत्या के बाद भीड़ ने आरोपी का घर फूंका

एजेंसी ▶▶| देहरादून

उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में एक हिंदू युवक की हत्या के बाद सांप्रदायिक तनाव फैल गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी और उनके घरों को गिराने की मांग को लेकर भीड़ ने पुलिस की मौजूदगी में पथराव कर दिया है। आरोपी के घर को आग के हवाले कर दिया गया है। इस घटना की खबर फैलने के बाद शहर में जगह-जगह आगजनी की खबर है। हिंसा फैलती देख पुलिस ने इंटरनेट बंद कर दिया है और कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, आरोपियों के घर पर बुलडोजर कार्रवाई हुई है। ये पूरी हिंसा देहरादून के विकासनगर के सहसपुर थाना क्षेत्र में हुई। हिंसाग्रस्त क्षेत्र में कई थानों की पुलिस और पीएसी को तैनात किया गया है। हालांकि, पुलिस की मौजूदगी में भी हिंसा की खबरें हैं।

पुलिस बोली- 13 पर मुकदमा, 6 गिरफ्तार : एसपी क्राइम जितेंद्र चौधरी ने कहा, मामले में 13 लोगों को नामजद किया गया है, जबकि अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। वहीं घटना में शामिल 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए 3-4 पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैंऔर जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी।

पानी को लेकर शुरू हुआ विवाद

मृतक विनोद कश्यप और आरोपी परिवार के बीच खेत में पानी लगाने और पैसे को लेकर विवाद चल रहा था। घटना से एक दिन पहले भी 14,000 रुपये के लेन-देन को लेकर बातचीत हुई थी। शनिवार शाम को ट्यूबवेल से पानी डालने को लेकर भी दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। इसके बाद विनोद के परिवार पर हमला हो गया। इसमें विनोद की मौत हो गई, जबकि परिवार के 2 अन्य सदस्य घायल हो गए।

ब्वॉय फ्रेंड ने भड़काया शादी में विवाद, कई गाड़ियां जलीं

एजेंसी ▶▶| जबलपुर

मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले के पास मझौली में एक शादी का रिश्ता टूटने के बाद हालात बिगड़ गए। एक लड़की ने यह कहते हुए शादी करने से मना कर दिया कि उसे परिवार की मंजूरी चाहिए। इसके बाद उसके परिवार वालों ने उसके लिए दूसरा रिश्ता ढूंढा लेकिन तभी पुराने प्रेमी ने नए दूल्हे के घरवालों के साथ लड़की की कुछ निजी बातें और तस्वीरें साझा कर दीं।

इससे यह नया रिश्ता भी टूट गया और दोनों परिवारों के बीच लड़ाई हो गई जिसमें कई गाड़ियां जला दीं गईं। हालात संभालने के लिए पुलिस को बीच-बचाव करना पड़ा। बताया गया कि देर रात, सराफ और तिवारी परिवारों के सदस्य स्थानीय पुलिस स्टेशन के पास मामले को सुलझाने पहुंचे थे। मगर सुलह होने की बजाय उनके बीच बात इतनी बढ़ गई कि दोनों पक्ष लाठी-डंडों से लड़ने लगे। इस झगड़े के दौरान कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया, जिससे वहां अफरातफरी मच गई। दमकल विभाग की टीम ने आग बुझाई।

दोनों परिवारों के खिलाफ केस दर्ज

जबलपुर के पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय ने बताया कि दोनों परिवारों के सदस्यों पर क्रॉस केस दर्ज किए गए हैं। दंगे और अन्य धाराओं में कुल 16 लोगों को नामजद किया गया है। क्षेत्र में स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है और आगे की जांच जारी है।

इमारत में आग लगाने वाली किशोरी समेत 4 गिरफ्तार

दिल्ली तुगलकाबाद आगजनी मामला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली के तुगलकाबाद इलाके में 12 जून को 5 मंजिला इमारत में हुई आगजनी की घटना को लेकर पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस ने कहा है कि 2 चचेरे भाइयों के बीच पैसों के लेन-देन के चलते ये आगजनी की घटना को जानबूझकर अंजाम दिया गया। पुलिस ने इस मामले में एक किशोरी समेत 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। बता दें कि इस घटना में 70 वर्षीय सुशीला देवी, उनके पोते पंकज पांडे और पोती सोनी की मौत हो गई थी।

पुलिस ने हत्या के आरोप में दर्ज किया मुकदमा

पुलिस ने निरंजन (33), उसके भाई राजकुमार (27) और सरिता (27) को गिरफ्तार किया गया है। एक 17 वर्षीय लड़की को भी हिरासत में लिया गया है। चारों पर आपराधिक साजिश, गैर इरादतन हत्या, हत्या का प्रयास, आगजनी और अतिक्रमण से संबंधित धाराओं में आरोप जोड़े गए हैं।

पैसों के विवाद को लेकर लगाई आग

पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में एक नाबालिग को आग लगने से कुछ समय पहले चेहरा ढांककर इमारत में प्रवेश करते और फिर तेजी से बाहर निकलते देखा गया था। इस नाबालिग ने पुलिस को बताया कि गिरिनगर की रहने वाली 27 वर्षीय सरिता ने इमारत की 5वीं मंजिल पर रहने वाले दीपक के स्कूटर में आग लगाने के लिए उकसाया था। दीपक का अपने चचेरे भाई निरंजन के साथ पैसों को लेकर विवाद चल रहा था।

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। माता-पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष — स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्याओं पर भी ध्यान दें। पिता का साथ मिलेगा। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। बौद्धिक कार्यों से आय बढ़ेगी।

मिथुन — मन परेशान रहेगा। संयत रहें। क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने का प्रयास करें। भाइयों के सहयोग से नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के झगड़े एवं विवादों से बचें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है।

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

तुला — मन प्रसन्न रहेगा। परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृश्चिक — आत्मसंयत रहें। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। रुके हुए धन की प्राप्ति होगी।

धनु — आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में आशातीत परिणाम मिलेंगे।

मकर — वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

कुंभ — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा। फिर भी व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

मीन — परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जाना हो सकता है।

शब्द पहेली - 6257

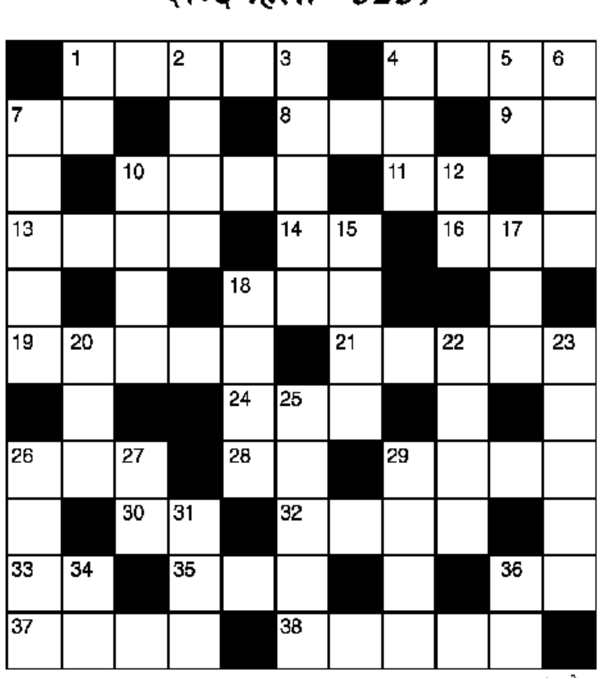

बंगलोर

बाएँ से दाए
1.अनाथालय-5
4.जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर-4
7.कमरा,रूम-2
8.फिजूल-3
9.अंग्रेजी शराब-2
10.अनर्गल (अंग्रेजी-4)
11.लक्ष्मी,कमला-2
13.ध्वनिहीनता,शांति-4
14.देवता,देव-2
16.प्रणाम,नमस्कार-3
18.रुधिरहीन,कमजोर-3
19.प्रस्थान करना-3,2
21.पालने वाला,ईश्वर-5
24.प्रेम,चाहना-3
26.वन,अरण्य,जंगल-3
28.विदेशी मदिरा-2
29.छिड़कना-4
30.धूल,मिट्टी-2
32.अंगीकार करना-4
33.छापा,सतत वर्षा-2
35.विरुद्ध-3
36.सुबह,प्रातःकाल-2
37.जोकर,विदूषक-4
38.संन्यासी,साधु-3,2

ऊपर से नीचे
1.इसके सवाल युधिष्ठिर ने हल किये थे -2
2.उदारता,बड़प्पन-4
3.पत्नी का नाना-2,3
4.दसवीं राशि -3
5.बहादुर,निडर-2
6.एक मुस्लिम महीना-4
7.कहानी लेखक-5
10.नाव चलाना-2,2
12.सम्मान-2
15.मारकाट,खून खराबा-4
17.पैगंबर, जीवन रक्षक-3
18.कुकर्म,दुष्कर्म-4
20.गाड़ी,यान-3
22.इंकार करना-4
23.रचना करनेवाला, रचयिता -5
25.जीवनसाथी-5
26.कारोबार,व्यवसाय-4
27.मादा का विलोम-2
29.निर्झरणशील-4
31.ढेर,काफी सारा (उर्दू-3)
34.मजा,आनंद-2
36.भोगने वाला,कामी-2

शब्द पहेली - 6256 का हल

सूडोकु नवताल - 6267

★☆☆☆☆ सरल

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6266 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

खबर संक्षेप

साल्टस्टेज अपने फोलियो में 22 संपत्तियां जोड़ेगी

मुंबई। आतिथ्य क्षेत्र की कंपनी साल्टस्टेज़ ने चालू वित्त वर्ष में 22 से अधिक संपत्तियों को जोड़ने की योजना बनाई हैं, जिसके साथ उसका कुल पोर्टफोलियो 55 पर पहुंच जाएगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। कंपनी देश के पश्चिमी और दक्षिणी क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगी। कंपनी के पास वर्तमान में मिड-प्रीमियम से प्रीमियम श्रेणी में लगभग 1,214 कमरों वाले 33 होटल हैं। साल्टस्टेज के सह-संस्थापक गौरव गुप्ता ने कहा, 'हम इस वित्त वर्ष में 22 और होटल जोड़ने की योजना बना रहे हैं, जिससे इस वर्ष होटल की कुल संख्या 55 हो जाएगी।

एम्बैसी निर्माण पर करेगी 2,000 करोड़ रुपए खर्च

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एम्बैसी डेवलपमेंट्स लिमिटेड चालू वित्त वर्ष में विभिन्न आवासीय परियोजनाओं के निर्माण

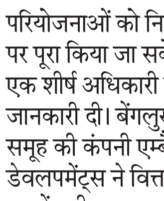

कार्यों पर लगभग 2,000 करोड़ रुपये तक निवेश करेगी, ताकि परियोजनाओं को निर्धारित समय पर पूरा किया जा सके। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। बेंगलुरु स्थित एम्बैसी समूह की कंपनी एम्बैसी डेवलपमेंट्स ने वित्त वर्ष 2025-26 में करीब 1,200 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

आठ कंपनियों का पूंजीकरण 1.90 लाख करोड़ रुपए बढ़ा

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह 1.90 लाख

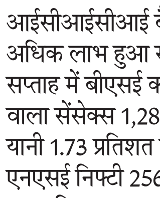

करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। इस दौरान शेयर बाजार में तेजी के बीच आईसीआईसीआई बैंक को सबसे अधिक लाभ हुआ समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,284.61 अंक यानी 1.73 प्रतिशत चढ़ा, जबकि एनएसई निफ्टी 256.2 अंक यानी एक प्रतिशत मजबूत हुआ। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो और हिंदुस्तान यूनिलीवर लाभ में रहीं।

मांग प्रभावित रहने से सोयाबीन तेल की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। अमेरिका-ईरान के बीच युद्ध टलने की संभावनाओं के कारण स्थानीय बाजार की मांग

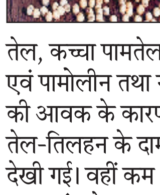

प्रभावित रहने से बीते सप्ताह तेल-तिलहन बाजारों में सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा गर्मी की फसल की आवक के कारण मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट देखी गई। वहीं कम आवक के बीच सुस्त मांग के कारण सरसों तेल-तिलहन तथा नगण्य उपलब्धता के बीच बिनौला तेल के दाम में मामूली सुधार आया।

क्रिकेटर रोहित का फिटनेस स्टार्टअप में निवेश

नई दिल्ली। क्रिकेट खिलाड़ी रोहित शर्मा ने स्वास्थ्य एवं तंदुरुस्ती क्षेत्र के स्टार्टअप 'एफआईटीटीआर' में निवेश किया है। रोहित शर्मा के निवेश की राशि के बारे में जानकारी नहीं

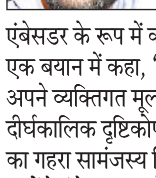

मिली है। शर्मा ने कंपनी के साथ अपने रिश्ते की शुरुआत इसके ब्रांड एंबेसडर के रूप में की थी। कंपनी ने एक बयान में कहा, '...रोहित को अपने व्यक्तिगत मूल्यों और दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ कंपनी का गहरा सामंजस्य मिला, जिससे उन्होंने एंबेसडर बनने से लेकर एक निवेश्क और इक्विटी साझेदार बनने का सफर तय किया।'

भ्रामक दावा करने वाली 8 कंपनियों को 'एफएसएसएआई' का नोटिस

ये कंपनियां भ्रामक ब्रांड नाम, ट्रेड नाम व उत्पाद दावों का इस्तेमाल कर रही थी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के उल्लंघन के आरोप में भ्रामक ब्रांड नाम, ट्रेड नाम और उत्पाद दावों का इस्तेमाल करने वाली आठ खाद्य कंपनियों को नोटिस जारी किया है। नोटिस पाने वाली कंपनियों में इमामी हेल्दी एंड टेस्टी, हेल्थ एड, टूवी, द हेल्दी फैक्टरी, हेल्दी मास्टर, हेल्दी चॉइस, प्लान बी और न्यूहर्ब्स शामिल हैं। नियामक ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया मंच के माध्यम से इस कार्रवाई की जानकारी दी। प्राधिकरण का कहना है कि इन उत्पादों पर किए गए दावे उपभोक्ताओं को भ्रमित कर सकते हैं और नियमों के अनुरूप नहीं दिखते। न्यूहर्ब्स की 'टू विटामिन' उत्पाद श्रृंखला को भी नोटिस मिला है। एफएसएसएआई के अनुसार, 'टू विटामिन' जैसा व्यापारिक नाम उसके नियमों में परिभाषित या मान्यता प्राप्त नहीं है, इसलिए यह उपभोक्ताओं को गुमराह कर सकता है।

इमामी हेल्दी का ट्रेड नाम गुमराह कर रहा

एफएसएसएआई के अनुसार, इमामी हेल्दी एंड टेस्टी का 'ट्रेड' नाम उपभोक्ताओं को गुमराह कर सकता है और यह लागू नियमों का उल्लंघन प्रतीत होता है। यह कंपनी कोलकाता स्थित इमामी समूह की खाद्य तेल इकाई है। वहीं, प्लान बी अपने उत्पादों को 'प्लांट बेस्ड वीगन' के रूप में प्रचारित करती है।

द हेल्थी फैक्टरी के उत्पाद जांच के दायरे में

एफएसएसएआई का कहना है कि कंपनी ने वीगन खाद्य उत्पादों के समर्थन संबंधी आवश्यक स्वीकृति लिए बिना अपने उत्पादों को वीगन के रूप में प्रस्तुत किया, जिससे उपभोक्ताओं में गलत धारणा बन सकती है। द हेल्दी फैक्टरी के 'जीरो मैदा होल व्हीट ब्रेड' और 'जीरो मैदा पिज्जा बेस' उत्पादों को भी जांच के दायरे में लाया गया है।

हेल्थी होने के दावे को लेकर सवाल

इसी प्रकार, टूवी के 'हेल्दी मिक्स वेजी चिप्स', 'हेल्दी रागी चिप्स' और 'हेल्दी मूंग दाल चिप्स' जैसे स्नैक उत्पादों पर 'हेल्दी' होने के दावे को लेकर सवाल उठाए गए हैं। नियामक का कहना है कि इनमें कई अन्य सामग्री भी शामिल हैं, ऐसे में इन उत्पादों को 'हेल्दी' बताना भ्रामक हो सकता है।

उद्योग विशेषज्ञों का मानना, समझौते से शुल्क रियायतें मिलेगी

मुक्त व्यापार समझौतों से फर्नीचर निर्यात घरेलू विनिर्माण को मिलेगा बढ़ावा : उद्योग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत द्वारा हाल के वर्षों में किए गए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से देश के फर्नीचर उद्योग के निर्यात और घरेलू विनिर्माण को बड़ा प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि इन समझौतों के तहत मिलने वाली शुल्क रियायतें भारतीय कंपनियों को विदेशी बाजारों में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त देंगी तथा देश में निवेश और उत्पादन क्षमता विस्तार को भी बढ़ावा मिलेगा। भारत ने अब तक मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) समूह और ओमान के साथ एफटीए लागू किए हैं। इसके अलावा न्यूजीलैंड और ब्रिटेन के साथ ऐसे समझौते किए जा चुके हैं, जबकि यूरोपीय संघ के साथ वार्ता पूरी होने की घोषणा की गई है।

- भारतीय कंपनियां विदेशी बाजार में प्रतिस्पर्धा कर पाएगी

खास बातें

- देश में निवेश और उत्पादन क्षमता विस्तार को बढ़ावा मिलेगा
- भारत ने अब तक यूएई, ईएफटीए व ओमान के साथ एफटीए लागू किया है

निर्यात के बड़े अवसर खुलेंगे

देश इजराइल, कनाडा, पेरू, चिली, खाड़ी सहयोग परिषद (बहरीन, कुवैत, कतर और सऊदी अरब) तथा यूरेशियन आर्थिक संघ (आर्मेनिया, बेलारूस, कजाखस्तान, किर्गिस्तान और रूस) के साथ भी इसी प्रकार के व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा है। गुजरात स्थित निप्पॉनप्लाई इंडस्ट्रीज के प्रबंध निदेशक केतन ठक्कर ने कहा कि इन समझौतों से भारतीय फर्नीचर उद्योग के लिए निर्यात के बड़े अवसर खुलेंगे।

भारतीय उत्पाद वैश्विक मानकों पर खरे उतरते हैं

उद्योग विशेषज्ञों ने कहा कि कंपनी ने पहले ही निर्यात शुरू कर दिया है और भारतीय उत्पाद वैश्विक मानकों पर खरे उतरते हैं, जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अच्छी मांग है। ठक्कर ने कहा कि इस क्षेत्र में आयात प्रतिस्थापन की भी व्यापक संभावनाएं हैं। भारत अभी बड़ी मात्रा में उच्च श्रेणी के कार्यालय और घरेलू फर्नीचर उत्पादों का आयात करता है, जबकि इन्हें देश में ही निर्मित किया जा सकता है।

फर्नीचर पर सुरक्षा देने वाली विशेष सतहें

निप्पॉनप्लाई इंडस्ट्रीज की परियोजना प्रमुख आस्था ठक्कर ने बताया कि कंपनी को डाइनिंग और ऑफिस टेबल-चेयर, कॉन्फ्रेंस टेबल तथा मोनोलिथिक बफे टेबल जैसे उत्पादों के लिए अच्छी पूछताछ मिल रही है। उन्होंने कहा कि इन उत्पादों में अग्निरोधी सतह प्रणाली के साथ खरोंच और दाग-धब्बों से सुरक्षा देने वाली विशेष सतहें हैं।

ऑरा नाम से कार्यालय उत्पाद पेश

कंपनी ने हाल ही में 'ऑरा' नाम से प्रीमियम घरेलू और कार्यालय उत्पादों की नई श्रृंखला पेश की है। कंपनी के निदेशक स्मित ठक्कर के अनुसार, ये उत्पाद कंपनी की पेटेंट प्राप्त प्रौद्योगिकी पर आधारित हैं, जिससे उनकी मजबूती और आकर्षण बढ़ता है।

निर्यात के विशाल अवसर उपलब्ध कराए

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) के कुलपति राकेश मोहन जोशी ने कहा कि एफटीए ने भारतीय फर्नीचर उद्योग के लिए निर्यात के विशाल अवसर उपलब्ध कराए हैं और उद्योग को इनका पूरा लाभ उठाना चाहिए। इसी तरह के विचार व्यक्त करते हुए भारत क्लस्टर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड (बीसीवीपीएल) के संस्थापक अमित आर. बरोट ने कहा कि उनकी कंपनी यूरोप और अमेरिका को निर्यात कर रही है।

खाड़ी समझौता व कच्चे तेल से तय होगी सराफा की कीमतों की दिशा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दुनिया के प्रमुख केंद्रीय बैंकों की मौद्रिक नीति संबंधी बैठकों, अमेरिका-ईरान वार्ता में प्रगति और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच अगले सप्ताह सोने की कीमतें सीमित दायरे में रह सकती हैं। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विशेषज्ञों ने कहा कि वैश्विक ब्याज दर परिदृश्य के संकेतों के लिए बैंक ऑफ जापान, अमेरिकी फेडरल रिजर्व और बैंक ऑफ इंग्लैंड की बैठकों के साथ-साथ ब्रिटेन, यूरो क्षेत्र, जर्मनी और जापान के मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर बारीक नजर रखी जाएगी। विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते को अंतिम रूप दिया जाना सर्राफा कीमतों के लिए प्रमुख कारक बना रहेगा। जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के ईबीजी-जिंस एवं मुद्रा शोध के उपाध्यक्ष प्रणव मेर ने कहा, अमेरिका-ईरान समझौते को अंतिम रूप दिए जाने पर करीबी नजर रहेगी। यदि समझौते पर हस्ताक्षर होते हैं तो जोखिम वाली परिसंपत्तियों में तेजी का दौर बढ़ सकता है, जिससे सोने और चांदी को भी बल मिल सकता है। हालांकि, किसी भी तरह का तनाव बढ़ना बाजारों के लिए नकारात्मक होगा। घरेलू बाजार में, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अगस्त डिलिवरी वाला सोना वायदा भाव सप्ताह के दौरान 5,066 रुपये अथवा 3.2 प्रतिशत की गिरावट के साथ लगभग 1.50 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ।

- अगले सप्ताह कीमतें सीमित दायरे में रह सकती है

एमसीएक्स में सोना वायदा में गिरावट दर्ज

एलकेपी सिक्योरिटीज में जिंस एवं मुद्रा शोध विश्लेषक जतिन त्रिवेदी ने कहा, सोने की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई और एमसीएक्स पर अगस्त वायदा अनुबंध का भाव तीन प्रतिशत से अधिक टूटकर 1,48,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक आ गया।

महंगाई के आंकड़े और फेड के निर्णय से तय होगी शेयर बाजार की चाल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

स्थानीय शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह मुख्य रूप से महंगाई के आंकड़ों, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर संबंधी घोषणा और कच्चे तेल की कीमतों के रुख से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों का कहना है कि रविवार को संभावित अमेरिका-ईरान समझौते की स्थिति, विदेशी निवेशकों की गतिविधियां और वैश्विक बाजारों के रुझान भी घरेलू शेयर बाजार की धारणा को प्रभावित करेंगे। रिलायंस ब्रोकिंग के

वरिष्ठ उपाध्यक्ष-शोध प्रमुख अजित मिश्रा ने कहा, ''घरेलू मोर्चे पर निवेशकों की नजर मई माह के थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर रहेगी।'' उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति बैठक और उसका निर्णय सबसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम होगा।

- अमेरिकी-ईरान शांति समझौता की होगी महत्वपूर्ण भूमिका

एफपीआई बाजार से 2.87 लाख करोड़ निकाल चुके

नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार, 2026 में अब तक एफपीआई भारतीय शेयर बाजार से कुल 2.87 लाख करोड़ रुपये निकाल चुके हैं। यह पूरे 2025 में निकाले गए 1.66 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक है।

मानसून की प्रगति पर होगी निवेशकों की नजर

स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक प्रवेश गौड़ ने कहा कि घरेलू मोर्चे पर निवेशकों की निगाह मानसून की प्रगति और महंगाई की स्थिति पर रहेगी। उन्होंने कहा कि 16-17 जून को होने वाली फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक पर भी निवेशकों की नजर है।

स्वराज ट्रैक्टर्स 70 एचपी खंड में उतरने की तैयारी

एजेंसी ▶▶| मुंबई

महिंद्रा समूह की अनुषंगी कंपनी स्वराज ट्रैक्टर्स विशेष जरूरत वाले ग्राहकों के लिए 70 हॉर्सपावर (एचपी) से अधिक क्षमता वाले ट्रैक्टर खंड में प्रवेश करने की योजना बना रही है। साथ ही कंपनी पंजाब स्थित अपनी विनिर्माण इकाई में पेंट शॉप की क्षमता बढ़ाने के लिए 100 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगी। स्वराज ट्रैक्टर्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गगनजोत सिंह ने कहा कि कंपनी अगले पांच से सात वर्षों के दौरान हर साल कम से कम एक नया उत्पाद बाजार में उतारने का लक्ष्य रखती है। इसके अलावा वह

अपनी अगली पीढ़ी के प्रीमियम ट्रैक्टर 'प्रोटेक' का भौगोलिक विस्तार करेगी और उत्पाद पोर्टफोलियो भी बढ़ाएगी। कंपनी के मौजूदा उत्पाद पोर्टफोलियो में स्वराज 855, 735, 744, 960, 742, 963, कॉम्पैक्ट स्वराज टारगेट, हाल में पेश की गई 'नया स्वराज' श्रृंखला और 'प्रोटेक' शामिल हैं।

आईपीओ की राह पर आगे बढ़ा एनएसई

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का बहुप्रतीक्षित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) अगले सप्ताह एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर पहुंच सकता है। मामले से जुड़े सूत्रों के अनुसार, एनएसई 15 या 16 जून को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास आईपीओ के लिए शुरुआती दस्तावेज दाखिल कर सकता है।

एनएसई के निदेशक मंडल ने छह फरवरी को प्रस्तावित आईपीओ को मंजूरी दी थी। यह मंजूरी सेबी से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) मिलने के बाद दी गई थी। सूत्रों के मुताबिक, यह आईपीओ पूरी तरह बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित होगा, यानी इसमें देश के सबसे बड़े स्टॉक एक्सचेंज की ओर

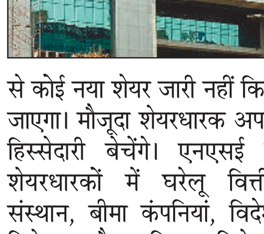

से कोई नया शेयर जारी नहीं किया जाएगा। मौजूदा शेयरधारक अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे। एनएसई के शेयरधारकों में घरेलू वित्तीय संस्थान, बीमा कंपनियां, विदेशी निवेशक और व्यक्तिगत निवेशक शामिल हैं। देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) 10.72 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ एनएसई की सबसे बड़ी शेयरधारक है। वहीं भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और उसकी अनुषंगी एसबीआई कैपिटल मार्केट्स की संयुक्त हिस्सेदारी करीब 7.5 प्रतिशत है। विदेशी निवेशकों में टेमासेक की अनुषगी अरांदा इन्वेस्टमेंट्स और कनाडा के पेंशन योजना निवेश बोर्ड (सीपीपीआईबी) की भी उल्लेखनीय हिस्सेदारी है।

एनएसई का मूल्यांकन पांच लाख करोड़ रुपए

गैर-सूचीबद्ध (अनलिस्टेड) बाजार में एनएसई का मूल्यांकन पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक आंका जा रहा है। एक्सचेंज के लगभग 1.8 लाख शेयरधारक हैं। गौरतलब है कि एनएसई ने पहली बार 2016 में लगभग 10,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए आईपीओ दस्तावेज दाखिल किए थे, लेकिन सेबी ने कामकाज के संचालन और को-लोकेशन मामले से जुड़ी चिंताओं के कारण मंजूरी रोक दी थी।

हिताची गुजरात में बिजली ट्रांसफॉर्मर संयंत्र लगाएगी

नई दिल्ली। हिताची एनर्जी इंडिया गुजरात में बड़े बिजली ट्रांसफॉर्मर विनिर्माण कारखाने की स्थापना के लिए लगभग 2,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी ने कहा कि वह गुजरात के करजन (वडोदरा) में बड़ा बिजली ट्रांसफॉर्मर (एलपीटी) कारखाना स्थापित करने के लिए करीब 2,000 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है।

कंपनी ने कहा कि वह भारत और दुनिया भर में बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अपनी विनिर्माण क्षमता को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी के अनुसार, नया कारखाना भारत में भरोसेमंद, दक्ष और उच्च गुणवत्ता वाले बिजली उपकरणों की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद करेगा।

भारत में मेमोरी चिप निर्माण में बढ़ सकता है निवेश: वैष्णव

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि भारत में मेमोरी चिप के विनिर्माण के लिए नई कंपनियों द्वारा निवेश किए जाने की संभावना है, जबकि मौजूदा निवेशक भी इस क्षेत्र में आपूर्ति-मांग के अंतर को कम करने के लिए उत्पादन बढ़ाएंगे।

वैष्णव ने कहा कि मेमोरी कार्ड और उन्नत चिप की मजबूत मांग के कारण वैश्विक आपूर्ति पर दबाव बढ़ा है और पिछले कुछ तिमाहियों में कीमतों में वृद्धि देखने को मिली है। इसके चलते विनिर्माता वैश्विक स्तर पर बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए निवेश और उत्पादन क्षमता बढ़ा रहे हैं। चिप की कीमतों में वृद्धि ने स्मार्टफोन और लैपटॉप जैसे इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की उत्पादन लागत भी बढ़ा दी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, निश्चित रूप से मेमोरी विनिर्माण

इकाइयों में काफी अधिक निवेश आ रहा है और इसका कारण यह है कि सेमीकंडक्टर उद्योग जिस तेजी से बढ़ा है, उसमें पहली बार कुछ ऐसे कलपुर्जों की भारी कमी देखने को मिल रही है, जिनकी आवश्यकता कृत्रिम मेधा (एआई) डेटा सेंटर और हाई बैंडविड्थ मेमोरी चिप्स में होती है। हाई बैंडविड्थ मेमोरी (एचबीएम) चिप एक उन्नत कंप्यूटर मेमोरी है, जिसका उपयोग मुख्य रूप से एआई, सुपरकंप्यूटर, डेटा सेंटर और हाई-एंड ग्राफिक्स प्रोसेसिंग में होता है। उन्होंने बताया कि भारत में डेटा सेंटर निवेश जल्द ही 200 अरब डॉलर को पार कर सकता है, जिसके लिए विशाल स्टोरेज क्षमता की आवश्यकता होगी।

- उत्पादन बढ़ाएंगी मौजूदा कंपनियां

मेमोरी क्षेत्र में आपूर्ति-मांग असंतुलन बना हुआ

वैष्णव ने कहा कि मेमोरी क्षेत्र में गंभीर आपूर्ति-मांग असंतुलन बना हुआ है। यह पूछे जाने पर कि क्या इस क्षेत्र में नए निवेश आएंगे या मौजूदा कंपनियां उत्पादन बढ़ाएंगी, वैष्णव ने कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि दोनों ही स्थितियां संभव हैं। उन्होंने कहा कि 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 1.0' के तहत लगभग 48 स्टार्टअप प्रौद्योगिकी उत्पादों पर काम कर सकते हैं।

सीईओ ने कहा, बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बावजूद ध्यान अग्रणी बने रहने पर

एलआईसी अपनी अग्रणी स्थिति और करेगी मजबूत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक आर. दुरईस्वामी ने कहा है कि जीवन बीमा क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बावजूद एलआईसी बाजार में अपनी अग्रणी स्थिति को और मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करेगी तथा देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती रहेगी। अभी जीवन बीमा क्षेत्र में एलआईसी की बाजार हिस्सेदारी करीब 60 प्रतिशत है और यह 57 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परिसंपत्तियों का प्रबंधन करती है। कंपनी की रियल एस्टेट संपत्तियों का मूल्य लगभग 60,000 करोड़ रुपये है। दुरईस्वामी ने कहा कि एलआईसी की विकास यात्रा भारत की प्रगति से गहराई से जुड़ी रही है और भविष्य में भी यह संबंध कायम रहेगा।

- जीवन बीमा में एलआईसी की बाजार हिस्सेदारी 60 प्रतिशत

राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया: सीईओ ने कहा, जैसे-जैसे देश की अर्थव्यवस्था बढ़ती है, एलआईसी भी बढ़ती है। एलआईसी की वृद्धि देश की आर्थिक प्रगति को भी गति देती है।'' उन्होंने कहा कि 1956 में स्थापना के बाद से एलआईसी ने राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और अब 'विकसित भारत' के लक्ष्य की दिशा में भी अपनी भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

245 बीमा कंपनियों का राष्ट्रीयकरण कर एलआईसी का गठन

एलआईसी की स्थापना एक सितंबर, 1956 को जीवन बीमा कारोबार के विस्तार, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों तक इसकी पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से की गई थी। उस समय 245 भारतीय और विदेशी बीमा कंपनियों तथा भविष्य निधि संस्थाओं का राष्ट्रीयकरण कर एलआईसी का गठन किया गया था।

हम भविष्य में भी देश की जरूरतें पूरी करेंगे

दुरईस्वामी ने कहा, 1956 से 2026 तक की हमारी यात्रा देश के विकास के साथ जुड़ी रही है। हम भविष्य में भी देश की जरूरतों को पूरा करने और उसके विकास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि एलआईसी न केवल भारत बल्कि पूरे एशिया की सबसे बड़ी वित्तीय संस्थाओं में से एक है और इतने बड़े आकार के साथ समाज तथा देश के प्रति विशेष जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है।

नए खिलाड़ियों के प्रवेश के बावजूद लक्ष्य पर नजर

भविष्य की रणनीति पर उन्होंने कहा कि बाजार में नए खिलाड़ियों के प्रवेश के बावजूद एलआईसी का लक्ष्य केवल नेतृत्व वाली स्थिति बनाए रखना नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धियों से पर्याप्त बढ़त बनाए रखना है। उन्होंने कहा, हमारी आकांक्षा है कि 75वें वर्ष, 100वें वर्ष और उसके बाद भी एलआईसी समृद्ध और मजबूत संस्था बनी रहे तथा राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देती रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष

50 वर्षों के...

सर्वाधिक समृद्ध और विकसित आदिवासी क्षेत्र होने का ना केवल ऐलान किया है बल्कि सुनियोजित तरीके से पूरे नक्सल प्रभावित क्षेत्र के गांव में विकास के काम शुरू भी हो गए है। जिसका परिणाम जल्द नजर आने लगेगा। मेरे अलावा सैकड़ों परिवार ने इस समस्या के रहते अपने परिजनों को खोया है अब विकास की धारा तेज होगी।

सवाल: प्रभारी मंत्री के रूप में सुकमा को विकास के साथ साथ जिलने के लिए क्या कोई योजना है?

जवाब: कई वर्षों से हम सुकमा का विधानसभा चुनाव हारते रहे हैं लेकिन जनता ने लोकसभा, पंचायत और नगरीय निकाय में हमें आशीर्वाद दिया है। अगले चुनाव में कोंटा विधानसभा चुनाव जीतेंगे यह कार्यकर्ताओं ने तय कर लिया है। पहले विषम परिस्थितियां थी, हमारे कार्यकर्ता अंदरुनी क्षेत्र में जा नहीं पाते थे लेकिन अब इस तरह की दिक्कतें नहीं रहेगी।

सवाल: केदार कश्यप अगले ढाई साल प्रभारी मंत्री के रूप में क्या कुछ करेंगे?

जवाब: हिडमा के गांव पुवर्ती में हाल ही में स्वास्थ्य शिविर और बाजार शुरू हुआ है। नक्सल आतंक के कारण उन क्षेत्रों में जाना संभव नहीं था। अब वहां सरकार की सभी योजनाएं और मूलभूत सुविधाएं ग्रामीणों तक पहुंचना शुरू हो गया है। बस्तर ओलंपिक के माध्यम से प्रतिभाओं को तराशने का काम शुरू किया गया। प्रभारी मंत्री के रूप में अंदरुनी गांव के युवाओं और प्रतिभाओं को अवसर दे रहे हैं। दसवीं और बारहवीं में सुकमा जिले का परीक्षाफल 92 और 94 प्रतिशत रहा। शिक्षा और स्वास्थ्य समेत सभी तरह के विकास को तेज करने का काम किया जा रहा है।

सवाल: वनमंत्री के रूप में आगे की आपकी क्या योजना है?

जवाब: इमली का यूनिट शुरू हो गया है, तीखुर, महुआ, टोरा, साल सीड्स, मिलेट्स आदि को बढ़ाव देकर कुटीर उद्योग के जरिए ग्रामीणों की आमदनी बढ़ाने कार्य हो रहा है। अंदरुनी क्षेत्रों में वन विभाग का सेटअप बढ़ाने का काम किया जा रहा है ताकि जंगल की सुरक्षा हो और वनोपज का लाभ लोगो को ज्यादातर मिले।

सवाल: यहां के विधायक कवासी लखमा क्षेत्र से बाहर है अगले चुनाव में इसका फायदा मिलेगा या नुकसान होगा?

जवाब: कवासी लखमा उनके ही पार्टी के लोगों के षड्यंत्र के शिकार हुए। उन्हें बलि का बकरा बनाया गया। कांग्रेस आदिवासी विरोधी है। अब दीपक बैज को भी हटाने के लिए षड्यंत्र किया जा रहा है। कवासी लखमा जहां भी रहे भाजपा यहां से जीतेगी।

बीजापुर में हरिभूमि-...

विधायक विक्रम शाह मंडावी, पूर्व मंत्री महेश गागड़ा, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष जी.वेंकट समेत अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। इनके अलावा कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत के सीईओ, वनमंडलाधिकारी, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में कार्यक्रम में जिले के महत्वपूर्ण मुद्दों पर सार्थक बहस और चर्चा होगी। कार्यक्रम में जिले के विकास, अधोसंरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सड़क, पेयजल सहित विभिन्न जनहित के मुद्दों पर खुलकर सवाल-जवाब होंगे। इस दौरान आम जनता और विभिन्न वर्गों से जुड़े प्रतिनिधियों के सवालों के माध्यम से जिले की वर्तमान स्थिति और भविष्य की योजनाओं पर भी संवाद होगा। इस आयोजन में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभूतियों का सम्मान भी किया जाएगा।

पीएम मोदी ने...

प्रौद्योगिकी के महत्व पर भी जोर दिया, जो समावेशी और मानव-केंद्रित हों। उन्होंने कहा, आज दुनिया ऐसी प्रौद्योगिकियों की ओर देख रही है जो भरोसेमंद, समावेशी और मानव-केंद्रित हों तथा जिनका लक्ष्य वैश्विक कल्याण हो। ऐसे समय में, भारत की प्राथमिकता मानवता के लिए प्रौद्योगिकी और मानव-केंद्रित नवाचार है। अपने संबोधन में मोदी ने उच्च-तकनीक, परमाणु ऊर्जा, रक्षा और नवाचार जैसे कई अहम क्षेत्रों में अपनी सरकार द्वारा किए गए सुधारों का जिक्र किया।

मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, भारत इनोवेट्स दुनिया के लिए एक निमंत्रण है कि वे भारत के साथ मिलकर वैश्विक नवाचार का अगला अध्याय लिखें। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के युवा नवोन्मेषक ऐसे समाधान खोज रहे हैं, जिनसे पूरी मानवता को लाभ हो सकता है।उन्होंने कहा, भारत एक दीर्घकालिक भविष्य के लिए नवाचार कर रहा है। भारत दुनिया के लिए नवाचार कर रहा है। नवाचार भारत के डीएनए में है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत-फ्रांस संबंधों पर भी बात की। उन्होंने कहा, भारत और फ्रांस के बीच एक खास साझेदारी है; इसमें जुड़ाव, दृढ़ विश्वास, नवाचार, प्रेरणा और साझा दृष्टिकोण शामिल है। उन्होंने कहा, ''और इस रिश्ते की नींव पर आगे बढ़ते हुए, हमने पिछले कुछ वर्षों में मिलकर नयी पहल शुरू की हैं। हमने नए विचारों को दिशा दी है। हमने वैश्विक चुनौतियों का समाधान खोजने के लिए हरसंभव प्रयास किया है। इस कार्यक्रम का मकसद भारत, फ्रांस और अन्य देशों के शीर्ष नवाचार स्टार्टअप और वेंचर कैपिटल फंड को साथ लाना है। मोदी फ्रांस की यात्रा पर हैं, जहां वह मैक्रों के साथ बातचीत करेंगे और जी-7 शिखर सम्मेलन में भी शामिल होंगे।

कक्षा से पहले...

उन्हें प्रार्थना के लिए पुनः कतार बनानी होगी। छुट्टी के दौरान वे राज्यगीत के साथ-साथ गायत्री मंत्र और शांति मंत्र का पाठ करेंगे। 16 जून से ही यह आदेश प्रभावी हो जाएगा।

व्यवस्था पर बात,...

लेकर लोग दो धड़े में बंट गए हैं। एक वर्ग ने इसे अच्छा प्रयास बताया तो एक वर्ग ने पढ़ाई के समय में होने वाली कटौती पर चिंता व्यक्त की है।

30 साल पहले...

हैरानी की बात तो यह है कि इस स्कूल भवन को जिम्मेदार अधिकारियों ने भी भुला दिया। हम बात कर रहे हैं जिले के लुंड्रा विकासखंड अंतर्गत धौरपुर के डूमरडीह में स्थित शासकीय हाई स्कूल भवन की। एक तरफ जहां आज भी जिले के कई शासकीय स्कूल भवन विहीन या जर्जर हैं और उधार के भवन में या फिर खुले आसमान के नीचे संचालित हो रहे है, वहीं दूसरी ओर इस भवन की किस्मत ऐसी है कि निर्माण के बाद भी आज तक इस भवन में कभी पढ़ाई शुरू नहीं हुई। इस भवन का निर्माण इस उद्देश्य से किया गया था कि बच्चे अपना व देश का भविष्य गढ़ेंगे लेकिन बच्चे स्कूल तक पहुंच ही नहीं पाए। ऐसा इसलिए क्योंकि इस स्कूल भवन तक जाने वाले रास्ते को ही बंद करा दिया गया। शासकीय राशि से शासकीय भूमि पर भवन का निर्माण हुआ और वर्षों की मेहनत के बाद भवन बनकर तैयार भी हुआ लेकिन भवन बनने के बाद ही कुछ लोगों ने स्कूल को लगने ही नहीं दिया। स्कूल जाने के रास्ते पर कब्जा कर लिया गया। ऐसा नहीं है कि इस भवन के निर्माण उपरान्त कक्षाओं का संचालन करने के लिए लोगों ने कभी पहल नहीं की। ग्रामीणों ने लगातार इस संबंध में शिकायतें भी की लेकिन अधिकारी इस स्कूल भवन तक रास्ता खोल नहीं पाए और ना ही स्कूल खुलवाने की हिम्मत जुटा पाए। नतीजा यह हुआ कि लाखों रूपए की लागत से शासकीय जमीन पर बना यह भव्य स्कूल छात्र व शिक्षकों के इंजतार में खंडहर में तब्दील हो रहा है। वर्षों तक स्कूल नहीं खुलने और देखरेख की कमी के कारण भवन जर्जर स्थिति में है।

कर दिया गया था हैंडओवर-
बताया जा रहा है कि धौरपुर के डूमरडीह में इस हाई स्कूल भवन का निर्माण वर्ष 1995-96 में किया गया था। भवन बनने के बाद इसको लोक निर्माण विभाग को हैण्डओवर भी कर दिया गया था और लोनिवि ने भवन स्कूल शिक्षा विभाग को हैण्डओवर कर दिया था। इसके बाद जिस सरकारी जमीन पर स्कूल भवन बना था उस पर नजर गड़ाए बैठे दबंगों ने स्कूल भवन तक जाने वाले रास्ते पर ही अवैध कब्जा कर लिया। इस वजह से प्रशासन और स्कूल शिक्षा विभाग कभी स्कूल लगाने की हिम्मत नहीं जुटा सका।

अब फिर से उठी मांग, कलेक्टर से शिकायत -
भवन बनने के लगभग 25 से 30 वर्षों बाद यह मुद्दा फिर से उठने लगा है। गांव के युवा इस आशय की शिकायत कई बार प्रशासन से कर चुके हैं लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। ऐसे में लोगों ने भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया से मामले की शिकायत की है। जिसके बाद भाजपा जिलाध्यक्ष ने भी कलेक्टर सरगुजा को इस भवन से जुड़ी जानकारी उपलब्ध कराने के साथ ही कलेक्टर व जिला शिक्षा अधिकारी से इसकी जांच कराने व भवन को फिर से रंगरोगन कर शुरू कराने की मांग की है।

तरीघाट में मासूमों...

जा रहा है। लगभग 35 विद्यार्थियों की पढ़ाई सीमित संसाधनों के बीच हो रही है। पूर्व माध्यमिक शाला में भी लगभग 40 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। इन बच्चों का भविष्य ऐसे परिसर में आकार ले रहा है जहां सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं है। बारिश के दौरान भवनों की हालत और अधिक खराब हो जाती है तथा कभी भी छत या दीवार का हिस्सा गिर सकता है। गांव की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि आजादी के दशकों बाद भी तरीघाट में प्राथमिक शाला का स्थायी एवं मूल भवन उपलब्ध नहीं हो पाया है। स्कूल परिसर की सुरक्षा भी सवालों के घेरे में है। परिसर के चारों ओर बने अहाते की ऊंचाई काफी कम होने के कारण शाम होते ही शराबियों और असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लग जाता है। इसके अलावा बारिश के मौसम में पानी स्कूल मैदान में भर जाता है।

यहां के पंचायत पदाधिकारी इस पूरे मामले को लेकर कई बार विभागीय दफ्तर और सुशासन तिहार में आवेदन दे चुके हैं लेकिन समस्याएं दूर नहीं हो रही हैं। इधर जिला शिक्षा अधिकारी जगजीत सिंह धीर ने कहा कि भवनों की जर्जर स्थिति को लेकर शासन स्तर पर सूचना भेज दी गई है। स्कूल खुलने से पहले वहाँ की व्यवस्थाओं को दरुस्त करने के लिए फिंगेश्वर बीईओ को निर्देशित कर दिया गया है, ताकि बच्चों को किसी तरह की परेशानी न हो।

बेटियों के बालिग...

बरकरार रखा है, जिसमें बेटी को हर महीने 5000 रुपए का भरण पोषण देने का निर्देश दिया गया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की सिंगल बेंच ने यह फैसला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले से जुड़े मामले में दिया। याचिकाकर्ता गोरखनाथ यादव ने फैमिली कोर्ट मनेंद्रगढ़ के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उनकी बेटी कु. प्रिया के लिए भरण-पोषण निर्धारित किया गया था। फैमिली कोर्ट ने वर्ष 2016 में 2 हजार रुपए प्रतिमाह भरण-पोषण तय किया था, जिसे वर्ष 2023 में बढ़ाकर 5 हजार रुपए कर दिया गया था। पिता की ओर से अदालत में दलील दी गई कि बेटी अब बालिग हो चुकी है, इसलिए उसे भरण-पोषण का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। साथ ही यह भी कहा गया कि बच्ची की मां के पास पर्याप्त कृषि भूमि और आय के साधन उपलब्ध हैं। जिससे उसका पालन-पोषण किया जा सकता है। याचिकाकर्ता ने यह तर्क भी रखा कि बेटी उनकी वैध पत्नी की संतान नहीं है तथा परिवार में लंबे समय से विवाद और मतभेद की स्थिति बनी हुई है।सुनवाई के दौरान कोर्ट ने रिकॉर्ड का देखते हुए पाया कि साल 2016 से भरण-पोषण का आदेश लगातार प्रभावी है और पिता ने उस समय कभी भी आदेश को चुनौती नहीं दी थी। ऐसे में कई सालों बाद अचानक बेटी के साथ संबंधों या जिम्मेदारी को लेकर सवाल उठाना न्यायोचित नहीं माना जा सकता।

पहले पिटाई, फिर...

बचाकर भाग रहे बुजुर्ग को ट्रैक्टर से घसीटते हुए लेजाकर कुचल दिया गया जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। दिनदहाड़े जमीन पर कब्जे को लेकर हुए विवाद में की गई हत्या से लोगों में दहशत का माहौल है। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। फिलहाल पुलिस द्वारा मामले में सात से आठ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। बताया जा रहा है कि कि विकासखंड के ग्राम पंचायत सिलमा में लगभग साढ़े छह एकड़ एकड़ भूमि को लेकर दो पक्षों के बीच पिछले पांच वर्षों से विवाद चल रहा है। उक्त जमीन के नामांतरण का मामला वर्तमान में राजस्व विभाग में लंबित भी है। उक्त भूमि पर पहले से धनेश्वरी पति होशराम का कब्जा है लेकिन इसी जमीन पर उमेश पैंकरा आ. बजरंग पैकरा व अन्य लोगों द्वारा भी अपना कब्जा होने का दावा किया जाता है। वर्तमान में भी उक्त जमीन पर होशराम द्वारा धान की फसल लगाने के लिए तैयारी की गई थी लेकिन इस बीच रविवार को होशराम को सूचना मिली कि दूसरे पक्ष के लोगों द्वारा भी ट्रैक्टर के माध्यम से उक्त खेत को जोतने के साथ ही खेती करने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में सुबह 11 बजे 60 वर्षीय होशराम दूसरे पक्ष को समझाने और रोकने के लिए पहुंचा हुआ था लेकिन लाठी डंडों से लैस होकर पहले से पहुंचे हुए दूसरे पक्ष के लोगों ने बुजुर्ग होशराम की पहले तो बेदम पिटाई की। उमेश पैकरा और उसके साथियों होशराम को इतना मारा कि वह अधमरा हो गया। जब बुजुर्ग आरोपियों से बचकर भागने लगा तो आरोपियों ने पहले बुजुर्ग को काफी दूर तक खेत में ट्रैक्टर से घसीटा और फिर कुचलकर हत्या कर दी। ट्रैक्टर के नीचे कुचलने से बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद गांव में दहशत का माहौल निर्मित हो गया। घटना की सूचना मिलने के बाद एसडीओपी राजेंद्र मंडावी के साथ ही पुलिस की टीम घटना स्थल पर पहुंची और शव को पीएम उपरान्त परिजन के सुपुर्द किया। इसके साथ ही पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। घटना से परिवार सदमे में है।

चल रही है जांच-
सिलमा में दो पक्षों के बीच जमीन विवाद था। पहले पहले द्वारा उक्त जमीन पर खेती की जाती थी और आज दूसरा पक्ष भी खेत जोताई करने के लिए पहुंचा था। बुजुर्ग जब रोकने के लिए पहुंचा तो उसके साथ मारपीट करने के बाद ट्रैक्टर से घसीटकर ले गए और कुचलकर हत्या कर दी। मामले की जांच चल रही है। लोगों को हिरासत में लिया गया है और जांच चल रही है। **राजेन्द्र मंडावी**, एसडीओपी-

दोनों पक्षों को...

निसंतान थी और उसका भरण पोषण धनेश्वरी द्वारा किया जाता था। महिला ने अपने जीवनकाल में ही 6.30 एकड़ भूमि का वसीयतनामा धनेश्वरी के नाम कर दिया था लेकिन कामेश्वरी के भतीजा भुनेश्वर पैंकरा भी 6.30 एकड़ भूमि में अपने शिक्षक पुत्र बजरंग पैंकरा के साथ राजस्व विभाग में दावा ठोककर अपना नाम दर्ज करवा लिया। दोनों परिवारों द्वारा उक्त भूमि पर अपना दावा किया जाता है और मामला एसडीएम कार्यालय में चल रहा था। इस दौरान तत्कालीन एसडीएम नीरज कौशिक द्वारा 25 अप्रैल 2025 को पहला आदेश कर होशराम के परिवार के नाम पर नामांतरण का आदेश कर दिया जबकि 18 सितंबर 2025 को उन्होंने दूसरे पक्ष के नाम नामांतरण का आदेश कर दिया और यही से दोनों पक्षों के बीच विवाद और भी गहराता गया।

समुद्र में तड़प-...

लेकिन उसे अनसुना कर दिया गया। अब दावा किया जा रहा है कि अमेरिकी नौसेना मृतक नाविक निशांत उर्थनाथन के शव को निकालने की अनुमति नहीं दे रही है। एक अखबार ने एमटी सेलेस्टियल सी शिप के रिकॉर्ड के आधार पर दावा किया है कि उसने अमेरिकी नौसेना को मदद के लिए बार-बार कॉल किया। इसमें भारतीय नाविक निशांत उर्थनाथन को बहुत ज्यादा उल्टी होने की रिपोर्ट दी गई। लेकिन, अमेरिकी नौसेना की ओर से कोई जवाब नहीं मिला। बाद में 11 जून को निशांत उर्थनाथन की सांसें रुक गईं। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिकी नौसेना अभी भी लाश को निकालने की इजाजत नहीं दे रही है। रिपोर्ट में एमटी सेलेस्टियल सी शिप पर हुई घटना को लेकर एक लेटर भी शेयर किया गया है। इसमें जहाज के कप्तान राजेंद्र यादव समेत कई दूसरे कर्मचारियों के हस्ताक्षर भी हैं। इसमें लिखा है, यह सूचित किया जाता है कि निशांत उर्थनाथन, पीपी क्रमांक 58104330, रैंक द्वितीय अधिकारी, ने 08.06.2026 को दोपहर 12:00 बजे अस्वस्थता और लगातार उल्टी होने की सूचना दी। उन्होंने कंपनी कार्यालय को सूचित किया और वीएचएफ चैनल 16 पर अमेरिकी नौसेना को फोन करके रोगी की स्थिति के बारे में बताया। इधर, भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि दूतावास भारतीय नागरिक निशांत उर्थनाथन के परिवार के सदस्यों, पोत एमटी सेलेस्टियल के चालक दल के सदस्यों और संबंधित अधिकारियों के संपर्क में है। हालांकि, दूतावास ने यह नहीं बताया कि स्वास्थ्य संबंधी किस जटिलता के कारण उनकी मौत हुई।

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग
» बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड
» बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

HMS ARSH-RAHAT
आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श-राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है।
आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते है तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें
94060-21769

JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान है? या जले या चोट के निशान है?

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- परसदा (भरनी) में बिल्डर के नेतृत्व में मकान बनाने (सिविल कार्य) हेतु ठेकेदार की आवश्यकता है जिसके पास स्वयं की सेंट्रिंग हो, लेआउट डालना आता हो सम्पर्क करें- 9827404638, 90391 04638 (41140)

आवश्यकता है- रिसेप्शनिस्ट (लड़की) एवं सुरक्षा गार्ड की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- एक्समैन सिक्यूरिटी सर्विस वैशाली टावर हेमू नगर बिलासपुर 9827152819, 97547 13125 (41138)

आवश्यकता है- अनुभवी कार ड्राइवर की जरूरत है जो सभी कार चलाने में सक्षम हो, (मैन्युअल, ऑटोमेटिक) शाकाहारी को प्राथमिकता मासिक पेमेन्ट योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- बिलासपुर 9301922223 (41139)

आवश्यकता है- होटल के लिए एक सुपरवाइजर, एक चौकीदार, ऑफिस में कार्य करने हेतु दो लड़कों एवं दो ड्राइवर की आवश्यकता है, सम्पर्क करें- राजेश गुप्ता मंगला चौक, बिलासपुर 7697041000, 94060 41000 (41137)

आवश्यकता है- खाना बनाने, बच्चों की देखरेख हेतु केवल तलाकशुदा/ विधवा महिला की आवश्यकता है (उम्र 35वर्ष से कम हो) वेतन- 8000/- सम्पर्क करें- 9685353031 (41109)

आवश्यकता हैं
आया बाई
(हॉस्पिटल एवं घरेलु कार्य हेतु)
अग्रवाल चिल्ड्रन हॉस्पिटल
मगरपारा रोड, बिलासपुर
संपर्क करेः- सुबह 11 से 01 बजे तक
07752-226296, 402543

आवश्यकता है- छड़, सीमेन्ट दुकान में मार्केटिंग, सेल्स हेतु अनुभवी सेल्समैन, टेली जानकार कम्प्यूटर ऑपरेटर, ऑटो, पीकप, माजदा ड्राइवर, लेबर चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- लवली ट्रेडर्स, कोनी बिलासपुर 9329777750, 9993258065 (41132)

Wanted- Pareeksha Academy Hiring 3 Telecallers (Salary 8000 to 12000 Per Month) 3 Marketing Executives (Salary 10000 to 14000 Per Month) Add- Lath Towers, Near KIMS Hospital, Magarpara Road, Bilaspur 7773899997 (41131)

आवश्यकता है- भर्ती सेल्समैन (स्पेयर पार्ट्स) हमें टूव्हीलर स्पेयर पार्ट्स बैकग्राउंड वाले सेल्समैन की आवश्यकता है। ऑटोमोबाइल स्पेयर पार्ट्स के अनुभवी उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी। कार्य क्षेत्र- बिलासपुर, रायगढ़, कोरबा, अम्बिकापुर एवं आसपास के क्षेत्र। इच्छुक उम्मीदवार सम्पर्क करें- 9755585791, 98931 03893 (41124)

आवश्यकता है- अनुभवी दो ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार, ड्राइविंग लाइसेन्स के साथ सम्पर्क करें- जुनेजा आई हॉस्पिटल, तृतीय तल, अपोलो सिटी सेन्टर के ऊपर सीएमडी चौक बिलासपुर 7389159805, 73895 04106 (41130)

आवश्यकता है- ऑटोमैटिक गाड़ी चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर, घरेलू कार्य हेतु लड़की/ महिला चाहिए। रहने, खाने की सुविधा। संपर्क करें रेणुका डायग्नोस्टिक सेन्टर, महाराणा प्रताप चौक, रिंग रोड नं-2, बिलासपुर 62605 93057, 7000549541 (41122)

आवश्यकता है- सरकण्डा, बंगालीपारा, बिलासपुर में सुबह एवं शाम को घर में खाना बनाने (कुकिंग) कार्य हेतु एक महिला की आवश्यकता है मासिक सैलरी योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 6263878816 (41118)

आवश्यकता है- होल सेल मेडिकल दुकान में कार्य करने हेतु लड़कियों एवं लड़के की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- सरस्वती मेडिकल एजेन्सी, 52 मेडिकल काम्पलेक्स, अजीत होटल के पीछे, तेलीपारा, बिलासपुर 98271 77377 (41123)

आवश्यकता है- अनुभवी नशा मुक्त कार ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन 16000 सम्पर्क करें- सक्षम टीएमटी सुनयन चश्मा के बगल में, सदर बाजार, करोना चौक बिलासपुर (41038)

आवश्यकता है- जिलास्तरीय कंपनी में भर्ती परमानेंट बेसेस पर पद- फॉरेस्टगार्ड, क्लर्क, वनपाल, चपरासी , हेतु आवेदन कर 10वी+12वी पास लड़के लड़कियां, उम्रसीमा (18 -42) सैलरी- 26500/- 45500/- आवेदन हेतु - मार्कशीट, आधारकार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो , व्हाट्सएप / कॉल करे - 9129993295 (081)

आवश्यकता है- हॉस्पिटल में कार्य करने हेतु एकाउंटेंट, रिसेप्शनिस्ट, फार्मासिस्ट, नर्स, वार्ड बॉय, प्यून एवं गार्ड की आवश्यकता है सम्पर्क करें- आरोग्य हास्पिटल, अमेरी चौक, गौरव पथ, बिलासपुर 7000501955 (41105)

आवश्यकता है- फैक्ट्री मेस में खाना देने हेतु लड़कों, खाना बनाने मिस्त्री, रोटी मिस्त्री, किचन हेल्पर, बर्तन धोने हेतु लड़कों की आवश्यकता है। रहने खाने की सुविधा फ्री। पता- बिलासपुर 8871824812, 9993334937 (41106)

आवश्यकता है- ड्राइवर चाहिए बकुल अगरबत्ती में छोटा हाथी और वैन चलाने के लिए ड्राइवर की आवश्यकता है पता- मेन रोड दयालबंद गुरुद्वारा के पास बिलासपुर सम्पर्क करें- 9644012336, 98261 76155 (41108)

आवश्यकता है- संजय अपार्टमेन्ट कालोनी व्यापार विहार रोड के लिये एक सिक्यूरिटी गार्ड की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9826517676 (41113)

आवश्यकता है- किराना दुकान में सीनियर अकाउंटेंट, मैनेजर (M) (समय 10.30 से 8बजे) सैलरी योग्यतानुसार (15000-25000) अनुभव 3वर्ष, उम्र 35वर्ष अधिकतम पता- Farmers Pride नेचर सिटी गेट के आगे उसलापुर 9179294949, 72258 49081 (41110)

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में माल निकालने, जमाने, पैकिंग, डिलिवरी हेतु लड़कों की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार मिलें- नितिन मेडिकल एजेन्सी 34, मेडिकल काम्पलेक्स, तेलीपारा बिलासपुर 74300 00011 (41127)

आवश्यकता है- होलसेल एवं रीटेल दवाई दुकान में कार्य करने के लिए लड़कों की अति शीघ्र आवश्यकता है सम्पर्क करे- 7869797088, 87709 39973 (41125)

आवश्यकता है- नाश्ता बनाने के लिए ऑल राउंडर कुक की आवश्यकता है जो नशा नहीं करता हो। सम्पर्क करें- पद्मावती नाश्ता और टिफिन सेन्टर दिल्ली आईएएस एकेडमी के पास मंगला बिलासपुर 97556 55055 (41111)

आवश्यकता है- रायगढ़ एवं रायपुर की फैक्ट्रियों हेतु सिक्योरिटी गार्ड, सिक्योरिटी सुपरवाइजर एवं फील्ड ऑफिसर की आवश्यकता है। वेतन- 15000 से 18000 प्रतिमाह, PF, ESIC रहने-खाने की व्यवस्था उपलब्ध सम्पर्क करें- 9201958117, 8109080600 (855)

वाहन बेचना है

वाहन बेचना है- टाटा हाइवा 10 चक्का 2017 मॉडल टिप टॉप रनिंग गाड़ी बेचना है सारे पेपर फिटनेस बीमा टैक्स कम्प्लीट हैं सम्पर्क करें- 9826129540, 79876 63828 (41115)

बेचना

बेचना है- प्राइम लोकेशन में 14.5×30 =435 वर्गफुट लगभग की दुकान बेचना है नवापारा रोड उर्सु लाइन स्कूल के सामने आकाशवाणी केंद्र के पास अंबिकापुर संपर्क करें 7805055999 (41114)

बेचना है- आदिवासी प्लॉट बेचना है नेचर सिटी उसलापुर मुंगेली रोड में प्लॉट साईज 1300 एवं 3000 वर्गफुट टीएनसी एप्रूव्ड विजिट सुबह 8बजे से दोपहर 3बजे तक। सम्पर्क करें- 7067627828 (41120)

बेचना है- बिलासपुर से 8 किलोमीटर के दूरी पर कोनी के आगे निरतु में घुटकु के पहले रोड के ऊपर 900 फिट फ्रंट के साथ 9 एकड़ की भूमि एक चक में है जिसको तत्काल बेचना है एक चक एवं टुकड़ो में जमीन उपलब्ध है जमीन पूरी तरह से निर्विवाद है इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें- 8770753891, 9644880000, 9399 348327 (41128)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

किराया

किराया- सिरगिट्टी में बन्नाक चौक के पास 11000 वर्गफीट का जिसमें 4000 वर्गफुट में गोडाउन, आफिस, स्टाफ रूम उपलब्ध है फैक्ट्री या गोडाउन हेतु। किराया 45000 एडवांस 3लाख सम्पर्क करें- 7067627828 (41121)

किराया- किराए पर देना है स्कूल बिल्डिंग सेकेण्ड हॉफ में कोचिंग संचालन हेतु किराए पर उपलब्ध है सम्पर्क करें- पंचवटी एकेडमी, पुराना हाईकोर्ट के पास बिलासपुर 9752583075, 8839728129 (41107)

किराया- बिलासपुर, व्यापार विहार में गुम्बर पैट्रोल पम्प के पीछे VR NEXUS बिल्डिंग में फर्स्ट फ्लोर 2560 वर्गफुट, सेकेण्ड फ्लोर 1910 वर्गफुट, किराये पर उपलब्ध। (पार्किंग सुविधा) सम्पर्क करें-95897 40766, 9425530355 (40953)

शैक्षणिक

प्रवेश प्रारंभ- फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करेः- B.A, B.Com, B.Sc, BCA, MCA, BBA, M.A M.Com, M.Sc, MBA, MSW, B.Lib, M.Lib, DCA, PGDCA, Poly-technic, B.Tech, अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा सम्पर्क करें- Bharti Education Academy Sector-6 Bhilai 9826196515, 98268 96515 (4154)

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
→ जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
→ जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
→ शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
→ एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
→ श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
→ रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
→ जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
→ रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
→ भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
→ श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
→ एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
→ श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
→ अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
→ विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
→ माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
→ बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

विनीसियस जूनियर ने दागा अपना 10वां अंतरराष्ट्रीय गोल, मोरक्को से खेला ड्रॉ

असली रंग में नहीं दिखा चैंपियन ब्राजील

विनीसियस जूनियर

एजेंसी ▶▶| ईस्ट रदरफोर्ड

रिकॉर्ड पांच बार की चैंपियन ब्राजील की टीम फुटबॉल विश्व कप के अपने पहले मैच में असली रंग में नहीं दिखी और मोरक्को के खिलाफ ग्रुप सी के मैच में शुरू में पिछड़ गई लेकिन विनीसियस जूनियर के गोल की बदौलत 1-1 से ड्रॉ हासिल करने में सफल रही। ब्राज़ील 2002 से खिताब नहीं जीत पाया है और उस पर इसका दबाव स्पष्ट नजर आ रहा था। दूसरी तरफ मोरक्को की टीम ने आक्रामक शुरुआत की।

चार साल पहले सेमीफाइनल में पहुंचने वाली मोरक्को की टीम ने पहले 30 मिनट में ब्राजील के गोल पर 12 शॉट लगाए। उसने इस बीच इस्माइल सैबारी के 21वें मिनट में किए गए गोल से बढ़त हासिल कर ली। उन्होंने गोलकीपर एलिसन बेकर के ऊपर से एक शानदार चिप शॉट से यह गोल किया।

विनीसियस ने किया 32वें मिनट में बराबरी का गोल

विनीसियस जूनियर ने 32वें मिनट में बराबरी का गोल किया। विनीसियस बाएं छोर से ब्रूनो गुइमारेस के साथ पास का आदान-प्रदान करके आगे बढ़े। उन्होंने नील एल ऐनाउई को चकमा दिया और गोलकीपर यासीन बोनू को छकाते हुए दाहिने पैर से शॉट मारकर अपना 10वां अंतरराष्ट्रीय गोल किया।

ऑस्ट्रेलिया ने जीता मुकाबला, तुर्किए की 24 साल बाद वापसी का जश्न फीका

वैंकूवर। नेस्टोरी इरकुंडा और कॉनर मेटकाफ के गोल की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने 2-0 से जीत दर्ज करके तुर्किए की 24 साल बाद विश्व कप फुटबॉल में वापसी के जश्न में रंग में भंग डाल दिया। इस मैच को देखने के लिए फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो भी स्टेडियम में पहुंचे थे। ऑस्ट्रेलिया की जीत का श्रेय उसके गोलकीपर पैट्रिक बीच को भी जाता है, जिन्होंने ग्रुप डी के इस मैच में आठ शानदार बचाव किए। ऑस्ट्रेलिया लगातार छठी बार और कुल मिलाकर सातवीं बार विश्व कप में खेल रहा था। तुर्किए 2002 में विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचा था, लेकिन उसके बाद लगातार पांच टूर्नामेंट में जगह बनाने से चूक गया। उसने इस साल प्लेऑफ में कोसोवो को हराकर क्वालीफाई किया। इरकुंडा ने तीन डिफेंडरों से घिरे होने के बावजूद 27वें मिनट में निचले शॉट से गोल करके ऑस्ट्रेलिया को बढ़त दिला दी। वाटफोर्ड के लिए खेलने वाले 20 वर्षीय इरकुंडा ऑस्ट्रेलिया की तरफ से विश्व कप में सबसे कम उम्र के गोल स्कोरर बन गए हैं।

नेस्टोरी इरकुंडा

स्कॉटलैंड ने 32 साल बाद की वापसी, हैती को हराया

फॉक्सबोरो। जॉन मैकगिन के 28वें मिनट में किए गए गोल की मदद से स्कॉटलैंड ने ग्रुप सी के मैच में हैती को 1-0 से हराकर विश्व कप फुटबॉल में 32 साल बाद शानदार वापसी की। हैती के एक डिफेंडर से टकराकर गेंद मैकगिन के पास पहुंची और उन्होंने गोलकीपर जॉनी प्लासिड को चकमा देते हुए गोल दाग दिया, जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। स्कॉटलैंड 1998 के बाद पहली बार इस टूर्नामेंट में भाग ले रहा है। उसने 1990 के बाद विश्व कप में अपनी पहली जीत हासिल की। तब उसने स्वीडन को 2-1 से हराया था। स्कॉटलैंड तीन अंक लेकर ग्रुप तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया है। हैती 1974 के बाद पहली बार विश्व कप में भाग ले रहा है। उसे अब भी विश्व कप में अपने पहले अंक का इंतजार है।

कतर ने किया इंजरी टाइम में गोल, स्विट्जरलैंड को ड्रॉ पर रोका

सांता क्लारा। बौलेम खौखी के दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के चौथे मिनट में किए गए गोल की मदद से कतर ने फुटबॉल विश्व कप के ग्रुप बी में मजबूत दावेदार माने जा रहे स्विट्जरलैंड को 1-1 से ड्रॉ पर रोका। ब्रील एम्बोलो ने 17वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर स्विट्जरलैंड को बढ़त दिलाई। एक समय उसकी जीत सुनिश्चित लग रही थी लेकिन अंतिम सीटी बजाने से कुछ देर पहले लेवी स्टेडियम में 67,966 दर्शकों के सामने खेले गए मैच में खौखी ने हेडर से बराबरी का गोल दागकर कतर को विश्व कप में अपना पहला अंक दिलाया। कतर चार साल पहले अपने देश में विश्व खेले गए विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया था और यहां पहले मैच में वह बहुत प्रभावित नहीं कर पाया। स्विट्जरलैंड की टीम ने गोल करने के कुछ अच्छे मौके गंवाए, जिसके कारण उसे एक अंक से संतोष करना पड़ा।

बौलेम खौखी

चौथा विश्वकप खेलने को तैयार बेल्जियम के ब्रुइन

रेनटन। केविन डी ब्रुइन ने अपने शानदार करियर में कई उपलब्धियां हासिल की हैं लेकिन इसके बावजूद बेल्जियम का यह स्टार मिडफील्डर अपने चौथे विश्व कप को किसी भी तरह से हल्के से नहीं ले रहा है। बेल्जियम के मिस्र के खिलाफ विश्व कप के पहले मैच से दो दिन पहले 35 वर्षीय डी ब्रुइन ने कहा कि मैनचेस्टर सिटी के लिए प्रीमियर लीग में शानदार खिलाड़ी के रूप में उनके दिनों से बहुत कुछ बदल गया है। वह पिछले लगभग दो दशक से बेल्जियम के लिए खेल रहे हैं और उन्होंने अभी तक उसकी तरफ से 119 मैच खेले हैं। अपने करियर के दौरान वह दो बार प्रीमियर लीग में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुने गए डी ब्रुइन ने कहा, 'लगभग 16 साल तक राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने के बाद भी टीम में बने रहना मेरे लिए सम्मान की बात है। इसका मतलब है कि मैंने कुछ अच्छा किया है।' उन्होंने कहा, 'उम्मीद है कि मैं टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने में सफल रहूंगा। मैं बेल्जियम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हूं लेकिन मैं किसी भी चीज को हल्के से नहीं ले रहा हूं।'

जर्मनी के गोलकीपर नेउर फिट, खेलेंगे 5वीं बार विश्वकप

ह्यूस्टन। जर्मनी के गोलकीपर मैनुअल नेउर पिछले महीने लगी पिंडली की चोट से पूरी तरह उबर चुके हैं और अपने देश की तरफ से सर्वाधिक पांच विश्व कप खेलने के लोथर मैथ्यूस के रिकॉर्ड की बराबरी करने के लिए तैयार हैं। यह 40 वर्षीय खिलाड़ी लगभग दो साल बाद जर्मनी के लिए खेलेगा। कोच जूलियन नागेल्समैन ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास वापस आने के लिए राजी किया था। बायर्न म्यूनिख के कप्तान नेउर 2014 की विश्व कप विजेता टीम के एकमात्र सदस्य हैं, जो जर्मनी की वर्तमान टीम में शामिल हैं। यह उनका पांचवां विश्व कप होगा, जिससे वह मैथ्यूस के जर्मन रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे।

खबर संक्षेप

मोरक्को में संयुक्त 27वें स्थान पर पहुंचे भुल्लर

रबात। भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर ने तीसरे दौर में अच्छा प्रदर्शन किया, जिससे वह 20 लाख अमेरिकी डॉलर इनामी इंटरनेशनल सीरीज मोरक्को में संयुक्त 27वें स्थान पर पहुंच गए। चार बार के एएम ग्रीन आईजीपीएल विजेता और 11 बार के एशियन टूर चैंपियन ने चार अंडर 69 का स्कोर बनाया। उन्होंने पहले दो दौर में 70-74 का स्कोर बनाया था। करणदीप कोचर ने तीसरे दौर में दो अंडर 71 का कार्ड खेला और वह तीन दौर के बाद चार अंडर के कुल स्कोर के साथ संयुक्त 43वें स्थान पर हैं। एक अन्य भारतीय खिलाड़ी अजीतेश संधू (74) का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा और वह संयुक्त 25वें स्थान से संयुक्त 47वें स्थान पर खिसक गए।

गेंदबाजी में काफी सुधार की जरूरतः रेड्डी

धर्मशाला। नीतीश कुमार रेड्डी को हाल ही में अपनी गेंदबाजी और रन-अप पर किए गए काम के अच्छे परिणाम मिल रहे हैं लेकिन इस ऑलराउंडर का मानना है कि अभी उन्हें इस विभाग में काफी सुधार करने की जरूरत है। नीतीश ने अफगानिस्तान के खिलाफ यहां पहले वनडे मैच में अच्छी गेंदबाजी की। रेड्डी ने कहा कि वह गेंद का इस्तेमाल आक्रमण और बचाव दोनों ही विकल्पों के रूप में करते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं यह कहना चाहूंगा कि मुझे इस तरह की स्थिति की उम्मीद थी। मुझे वनडे में इसकी उम्मीद नहीं थी, लेकिन कम से कम टी20 जैसे आईपीएल और अन्य मैचों में तो इसकी उम्मीद थी ही, क्योंकि एक इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर मैं चार ओवर पूरे नहीं फेंक पाता था।

विश्व कप तीरंदाजी : धीरज-कुमकुम ने चैंपियनों को शिकस्त देकर जीता गोल्ड

एजेंसी ▶▶| अंताल्या

भारतीय रिकर्व तीरंदाजों ने विश्व स्तर पर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा जब तीरंदाजी विश्व कप चरण तीन में ओलंपियन धीरज बोम्मादेवरा और कुमकुम मोहोद ने ओलंपिक चैंपियन दक्षिण कोरिया को हराकर मिश्रित टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता।

भारतीय जोड़ी ने फाइनल में किम जे देओक और ओह ये जिन को 5-1 (37-36, 37-36, 39-39) से हराया। उन्होंने दुनिया की सबसे कामयाब जोड़ियों में से एक के खिलाफ गजब का संयम और जज्बा दिखाया।

डेब्यू कर रहीं कुमकुम ने बनाया रखा धैर्य

धीरज और मौजूदा सत्र में विश्व कप में पदार्पण करने वाली कुमकुम ने पूरे मुकाबले में धैर्य बनाए रखा। उन्होंने कोरियाई खिलाड़ियों को कड़ी चुनौती दी और दबाव में निर्णायक निशाने लगाए। धीरज ने मुकाबले के आखिरी तीर पर परफेक्ट 10 के स्कोर से भारतीय जोड़ी की जीत सुनिश्चित की। कुल मिलाकर दोनों ने तीन-तीन बार 10 का स्कोर किया। कुमकुम ने तीन बार नौ अंक भी जुटाए जबकि धीरज ने दो बार नौ और एक बार आठ अंक पर निशाना लगाया। दोनों तीरंदाजों का यह विश्व कप मिश्रित टीम स्पर्धा का पहला स्वर्ण पदक है।

दो महीने में द. कोरिया पर भारत की दूसरी जीत

यह दो महीने में दक्षिण कोरिया पर भारत की दूसरी जीत है और इसने तीन महीने बाद होने वाले एशियाई खेलों से पहले रिकर्व टीम का आत्मविश्वास बढ़ाया है। पिछले महीने शंघाई विश्व कप में दीपिका कुमारी, कुमकुम और अंकिता भकत की महिला तिकड़ी ने सेमीफाइनल में रिकॉर्ड 10 बार की ओलंपिक चैंपियन दक्षिण कोरिया की टीम को चौंकाते हुए स्वर्ण पदक जीता था। 24 साल के धीरज और 17 साल की कुमकुम पर कोरियाई टीम के खिलाफ खेलने का कोई दबाव नहीं दिखा।

विरोधी के बजाय प्रक्रिया पर दिया ध्यान : कुमकुम

सत्रह साल की कुमकुम ने कहा कि उन्होंने विरोधी के बजाय प्रक्रिया पर ध्यान दिया। उन्होंने कहा, 'मुझे खुद पर पूरा भरोसा था। मैंने बस प्रक्रिया पर ध्यान दिया और इस बारे में नहीं सोचा कि मेरे सामने कौन खड़ा है। कुमकुम ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैंने शंघाई की तुलना में आज बेहतर निशाने लगाए लेकिन निश्चित रूप से वहां मिले स्वर्ण पदक ने मुझे बहुत आत्मविश्वास दिया।'

पहले स्मृति का प्रहार, फिर दीप्ति का वार, पाकिस्तान की शर्मनाक हार

बर्मिंघम। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना के अर्धशतक के बाद अनुभवी दीप्ति शर्मा के 5 विकेट से भारत ने आईसीसी टी20 महिला विश्व कप के ग्रुप-एक मैच में रविवार को पाकिस्तान को 64 रन से हराकर अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। भारत के 171 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम ऑफ स्पिनर दीप्ति (10 रन पर 5 विकेट) के करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी के सामने 17 ओवर में 106 रन पर सिमट गई। बाएं हाथ की स्पिनर श्रीचरणी (21 रन पर 3 विकेट) और शैफाली वर्मा (22 रन पर 1 विकेट) ने भी दीप्ति का अच्छा साथ निभाया। सलामी बल्लेबाज मुनीबा अली (41) पाकिस्तान की ओर से शीर्ष स्कोरर रहीं। उनके अलावा कोई अन्य बल्लेबाज 20 रन के आंकड़े को भी नहीं छू पाई।

- **टी20 महिला विश्व कप : जीत के साथ टीम इंडिया का आगाज, पाकिस्तान को 64 रन से दी मात**

भारत का पाकिस्तान के खिलाफ बड़ा स्कोर

स्मृति ने इससे पहले दो जीवनदान का फायदा उठाते हुए 44 गेंद में 9 चौकों और 2 छक्कों से 68 रन की पारी खेलने के अलावा कप्तान हरमनप्रीत कौर (36 रन, 35 गेंद, 4 चौके) के साथ तीसरे विकेट के लिए 91 रन की साझेदारी भी की, जिससे भारत ने 6 विकेट पर 170 रन बनाए, जो टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ उसका सर्वोच्च स्कोर है। ऋचा घोष ने अंत में 17 गेंद में पांच चौकों और एक छक्के से 34 रन की पारी खेली और दीप्ति शर्मा (नाबाद 12) के साथ छठे विकेट के लिए सिर्फ 21 गेंद में 45 रन की तेजतर्रार साझेदारी भी की।

हरमनप्रीत ने तोड़ा मिताली का रिकॉर्ड

हरमनप्रीत कौर ने इतिहास रच दिया। पाकिस्तान के खिलाफ 1 रन बनाते ही हरमनप्रीत ने मिताली राज का रिकॉर्ड तोड़ दिया। हरमनप्रीत कौर महिला टी20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली भारतीय बल्लेबाज बन गई हैं। भारत की बैटिंग पारी के चौथे ओवर में एक रन लेकर उन्होंने यह रिकॉर्ड तोड़ा। मिताली राज ने टी20 विश्व कप में 40.33 की औसत और 97.31 के स्ट्राइक-रेट से

726 रन बनाए थे। हरमनप्रीत ने अब 762 रन बना लिए हैं। स्मृति मंधाना इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। वहीं जेमिमा रोड्रिग्स चौथे और पूनम रावत 5वें स्थान पर हैं।

महिला टी20 वर्ल्ड कप में भारत का सर्वोच्च स्कोर

194/5 बनाम न्यूजीलैंड, प्रोविडेंस, 2018, 172/3 बनाम श्रीलंका, दुबई, 2024, 170/6 बनाम पाकिस्तान, बर्मिंघम, 2026, 167/8 बनाम ऑस्ट्रेलिया, प्रोविडेंस, 2018, 167/8 बनाम ऑस्ट्रेलिया, केपटाउन, 2023,

हाथ नहीं मिलाने की नीति पर कायम भारत

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने रविवार को महिला टी20 विश्व कप में अपने पहले ग्रुप एक मैच से पहले टॉस के समय पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना से हाथ नहीं मिलाया। पिछले साल पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद भारतीय सशस्त्र बलों के 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद से दोनों देशों की क्रिकेट टीमों ने टॉस और मैच के बाद 'हाथ नहीं मिलाने' की नीति अपनाई हुई है। इसकी शुरुआत दुबई में हुए एशिया कप के दौरान भारत के पूर्व टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने की थी। कोलंबो में हुए महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विश्व कप मैच के दौरान भी हरमनप्रीत और फातिमा ने हाथ नहीं मिलाया था।

खिलाड़ी की सफलता के पीछे कड़ी मेहनत : कोच मनीष ओझा

रोज 8 घंटे ट्रेनिंग, 100 ओवर की बैटिंग, तब तैयार हुआ 'वैभव'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आईपीएल के पिछले दो सत्र में वैभव सूर्यवंशी की विस्फोटक बल्लेबाजी ने भले ही सभी को हैरान कर दिया हो, लेकिन उनके बचपन के कोच मनीष ओझा के अनुसार उनके शॉट्स की यह ताकत और तकनीक छह साल की कठिन मेहनत और लगातार अभ्यास का नतीजा है। ओझा ने कहा कि यह किशोर बल्लेबाज रोजाना लगभग 8 घंटे अभ्यास करता था और करीब 100 ओवर तक गेंदों का सामना करता था।

पटना स्थित अपनी अकादमी में 8 साल की उम्र से वैभव को

प्रशिक्षण देने वाले कोच मनीष ओझा ने बताया कि खिलाड़ी की सफलता के पीछे कड़ी मेहनत के साथ-साथ माता-पिता संजीव और आरती का बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि अब कई माता-पिता अपने छोटे बच्चों को अगला वैभव बनाने के उद्देश्य से अकादमियों में ला रहे हैं, लेकिन यह उतना आसान नहीं है जितना दिखता है। तो जब सूर्यवंशी ने टेनिस बॉल के बजाय हार्डबॉल से खेलना शुरू किया, तो 10 साल की उम्र से लेकर अब तक उन्होंने हर दिन औसतन कितनी गेंदें खेली होंगी? ओझा का जवाब चौकाने वाला था।

खेली होंगी 600 से अधिक गेंदें : कोच ओझा

ओझा ने बताया, ' देखिए, हम गेंदों की गिनती नहीं करते, उन्होंने कितनी गेंदें खेलीं, लेकिन मैं आपको एक न्यूनतम अनुमान बता सकता हूं कि उन्होंने 600 से अधिक गेंदें खेली होंगी।' उन्होंने फिर प्रशिक्षण के दौरान एक दिन के 100 ओवरों का विवरण देते हुए कहा, 'मैं आपको बताता हूं कैसे। लगभग 200-300 गेंदों तक मैं खुद ही थ्रोडाउन देता था। जब मैं थक जाता था, तो दूसरे सहायक कर्मचारी मेरी मदद करते थे।' उन्होंने कहा, 'और जब वे थक जाते थे, तो हमारी अकादमी के गेंदबाज उनकी मदद करते थे। कभी-कभी वे खुद भी थक जाते थे।' ओझा ने कहा, 'इसमें नेट सत्र के दौरान गेंदें फेंकना, थ्रो डाउन करना और कभी-कभी बॉलिंग मशीन का सामना करना शामिल था। यह अभ्यास सुबह 7:30 बजे शुरू होता था और शाम 4 बजे तक चलता था।'

बांग्लादेश ने नीदरलैंड को 6 विकेट से हराया

एजेंसी ▶▶| एजबेस्टन

महिला टी20 विश्व कप 2026 में ग्रुप ए का मुकाबला रविवार को नीदरलैंड और बांग्लादेश के बीच खेला गया। बांग्लादेश ने नीदरलैंड पर 6 विकेट की जीत के साथ विश्व कप में अपने अभियान की विजयी शुरुआत की। नीदरलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट पर 139 रन बनाए थे। टीम के लिए सबसे ज्यादा 50 रन कप्तान बैबेट डी लीडे ने बनाए। 45 गेंदों की पारी में उन्होंने 5 चौके लगाए। इसके अलावा, हीथर सीगर्स ने 16, रॉबिन रिज्के और आइरिस ज्विलिंग ने 13-13 रन बनाए। बांग्लादेश की तरफ से मारुफा अख्तर ने 4 ओवर में 31 रन देकर 2, फारिहा तृष्णा, शंजीदा अख्तर मेघला, राबेया खान, और रितू मोनी ने 1-1 विकेट लिए। बांग्लादेश ने 19.1 ओवर में 4 विकेट पर 141 रन बनाकर मैच 6 विकेट से जीत लिया।

कोलकाता की सड़कों से दुनिया का स्टार बना

अलोका

कोलकाता। कभी कोलकाता एयरपोर्ट के आसपास सड़कों पर घूमने वाला एक आवारा कुत्ता आज पूरी दुनिया में प्यार, शांति और इंसानियत का संदेश दे रहा है। इस स्पेशल कुत्ते का नाम अलोका है। चार साल का अलोका भारतीय नस्ल का परिया डॉग है। अलोका के माथे पर दिल के आकार का एक प्राकृतिक निशान बना हुआ है, जो उसे और भी खास बनाता है। इन दिनों अलोका की कहानी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। हाल ही में दुनिया के कई देशों की यात्रा करने के बाद आलोका भारत लौटा, तो दिल्ली में उसका भव्य स्वागत किया गया।

दुनियाभर में फैलाया शांति का संदेश

अमेरिका पहुंचने के बाद भी अलोका का सफर नहीं रुका। उसने टेक्सास के फोर्ट वर्थ से लेकर वॉशिंगटन डीसी तक, 10 से ज्यादा राज्यों में करीब 3,700 किलोमीटर की यात्रा की। इस दौरान वह लोगों से मिलकर शांति, प्रेम और भाईचारे का संदेश देता रहा। अलोका ने श्रीलंका और थाईलैंड की भी यात्रा की। उसके शांत स्वभाव, धैर्य और लोगों के प्रति अपनापन ने लाखों लोगों का दिल जीत लिया।

मेनका गांधी ने कही बड़ी बात

पशु अधिकार कार्यकर्ता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी ने कहा कि अलोका की कहानी भारत के लोगों की सोच बदल सकती है। उनका कहना है कि अगर लोग हर गली के कुत्ते में अलोका जैसी वफादारी, साहस और प्यार को देखना शुरू कर दें, तो आवारा कुत्तों के प्रति उनका भी व्यवहार बदल जाएगा।

अंतरिक्ष में मिला पृथ्वी जैसा 'नीला ग्रह'!

यहां बरसता है कांच

ब्रह्मांड रहस्यों से भरा पड़ा है और हाल ही में वैज्ञानिकों ने एक ऐसी खोज की है, जिसने सबको हैरान कर दिया है। अंतरिक्ष में पृथ्वी की तरह दिखने वाला एक खूबसूरत गहरा नीला ग्रह मिला है, जिसका नाम 'एचडी 189733बी' है। दूर से देखने पर ऐसा लगता है मानो वहां हमारी धरती की तरह समंदर और पानी की बूंदें मौजूद हों, लेकिन असलियत इसके बिल्कुल उलट है।

कदम रखते ही पिघल जाएगा इंसान

वॉशिंगटन। यह खूबसूरत दिखने वाला ग्रह असल में अंतरिक्ष की सबसे खौफनाक और जानलेवा जगहों में से एक है। वैज्ञानिकों के मुताबिक इस एलियन प्लैनेट पर पानी की नहीं, बल्कि पिघले हुए कांच की बारिश होती है और यहां का समय चक्र इतना तेज है कि यहां का पूरा एक साल हमारे एक वीकेंड से भी छोटा होता है। हमारी पृथ्वी को सूर्य का एक चक्कर लगाने में पूरे 365 दिन का समय लगता है, जिसे हम एक साल कहते हैं। लेकिन इस रहस्यमयी नीले ग्रह 'एचडी 189733बी' की कहानी बिल्कुल अलग है। यह ग्रह अपने मुख्य तारे के बेहद करीब मौजूद है। इसी वजह से यह मात्र दो दिनों के अंदर ही अपने तारे का एक चक्कर पूरा कर लेता है। इसका मतलब यह हुआ कि इस ग्रह पर पूरा एक साल हमारे शनिवार और रविवार यानी एक वीकेंड से भी पहले खत्म हो जाता है। अंतरिक्ष विज्ञान के इतिहास में इतनी तेजी से घूमने वाले ग्रह बहुत कम देखे गए हैं।

आखिर क्यों नीला दिखाई देता है यह ग्रह?

साल 2005 में खोजे गए इस ग्रह को जब नासा के हबल स्पेस टेलीस्कोप से देखा गया, तो इसका रंग गहरा कोबाल्ट नीला दिखाई दिया। शुरुआत में लोगों को लगा कि यहां पृथ्वी की तरह महासागर हो सकते हैं। लेकिन रिसर्च में सामने आया कि इसके नीले रंग का कारण पानी नहीं बल्कि इसके वायुमंडल में मौजूद सिलिकेट के छोटे-छोटे कण हैं। ये सिलिकेट कण लाल रंग के मुकाबले नीले प्रकाश को बहुत तेजी से फैलाते हैं, जिससे पूरा ग्रह अंतरिक्ष से चमकीला और नीला दिखाई देता है।

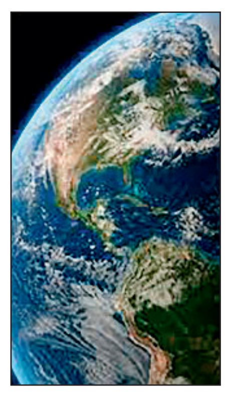

बंदूक की गोली से तेज चलती हैं हवाएं

इस ग्रह पर सिर्फ कांच की बारिश ही आफत नहीं है, बल्कि यहां चलने वाली हवाएं भी तबाही मचाती हैं। इस प्लैनेट पर हवा की रफ्तार करीब 7,000 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच जाती है, जो ध्वनि की गति से भी कई गुना तेज है। इतनी तेज आंधी आसमान से गिरने वाले पिघले कांच को हवा में ही चारों तरफ गोलियों की रफ्तार से फैला देती है।

जहां होती है पिघले हुए कांच की बारिश

इस ग्रह का मौसम इतना खतरनाक है कि कोई इंसान यहां एक सेकंड भी जिंदा नहीं बच सकता। इसके वायुमंडल में मौजूद सिलिकेट के कण अत्यधिक गर्मी के कारण पिघलकर कांच की बूंदों का रूप ले लेते हैं।

बैटफिश है समंदर की फैशन क्वीन!

नई दिल्ली। समुद्र की गहराइयों में रहने वाली रेड-लिप्ड बैटफिश अपनी चमकीले लाल होंठों और अनोखी चाल के लिए दुनिया भर में मशहूर है। यह मछली तैरने के बजाय समुद्र की तलहटी पर चलना पसंद करती है और अपने खास शिकार करने के तरीके से भी वैज्ञानिकों को हैरान करती है। गालापागोस द्वीपों के आसपास पाई जाने वाली यह अनोखी प्रजाति प्रकृति के सबसे अद्भुत जीवों में से एक मानी जाती है। इंसान ने आज भले ही खुद को कितना भी विकसित क्यों ना कर लिया हो, लेकिन आज भी वो समंदर के बहुत छोटे हिस्से के बारे में ही जान पाया है। समंदर की अथाह गहराइयों में ऐसे कई जीव रहते हैं, जो अपनी विचित्र बनावट और अनोखी लाइफस्टाइल के कारण वैज्ञानिकों और नेचर लवर को हैरान कर देते हैं। इन्हीं अनोखे जीवों में से एक है रेड-लिप्ड बैटफिश। पहली नजर में इसे देखकर ऐसा महसूस होता है ,मानो किसी ने इसके होंठों पर चमकीली

प्रकृति ने इसे शिकार करने के लिए दिया है खास हथियार

लाल लिपस्टिक लगा दी हो। यही अनोखी विशेषता इसे दुनिया की सबसे दिलचस्प समुद्री मछलियों में शामिल करती है। हम बात कर रहे हैं रेड-लिप्ड बैटफिश के बारे में, जिसका साइंटिफिक नेम ओगकोसेफेलस डार्विनी है। ये मछली प्रशांत महासागर में स्थित गालापागोस द्वीपों के आसपास के समुद्री क्षेत्रों में पाई जाती है।

इसका नाम 'बैटफिश' इसलिए रखा गया, क्योंकि इसका सिर चौड़ा और चपटा होता है। इस मछली की सबसे रोचक बात यह है कि यह नॉर्मल मछलियों की तरह लगातार तैरती नहीं रहती। जहां ज्यादातर मछलियां अपने पंखों की सहायता से पानी में तैरती हैं, वहीं रेड-लिप्ड बैटफिश समुद्र की तलहटी पर चलना अधिक पसंद करती है।

Terms & Conditions apply. *Loan approval is at the sole discretion of the financier and may require additional documentation. *Interest rate, loan amount, down payment, tenure, and EMI are subject to the applicant's credit profile. *Certain scheme benefits cannot be combined. *Offers/features may be modified or withdrawn without prior notice. *All offers valid till 30th June 2026. #Up to 10% Instant Cashback (₹2000–₹10000) on all HMSI models. #Applicable on HDFC Bank Credit Card EMI transactions (Minimum Transaction: ₹20000; Tenure: 6 to 24 months). #Valid only on transactions processed through Pine Labs machines. #Valid on one transaction per card/order during the offer period. #Instant Cashback offer valid till 30th June 2026. ^The price shared above is of Activa 110 Std OBD2B Model Variant for Chhattisgarh. ^For more information contact nearest dealers. The feature shown in the creative may not be available in all variants. Product shown in the picture may vary from actual product available in the market. Accessories shown in the picture are not part of standard equipment.

डीलर विवरण के लिए QR कोड स्कैन करें

Honda Motorcycle & Scooter India Pvt. Ltd., Registered Office: Plot No. 1, Sector - 03, IMT Manesar, Distt. Gurugram, (Haryana) – 122052, India; **Website:** www.honda2wheelersindia.com; **Customer Care:** customercare@honda.hmsi.in

Honda Exclusive Authorized Dealerships: BILASPUR: Dream Honda - 9926802408; Maosaji Honda - 7024149881; **BILASPUR DAYALBANDH:** Maosaji Honda Branch - 9109690484; **BILASPUR SAKRI:** Dream Honda Branch - 9516661444; **AKALTARA:** Bhagwati Honda - 9827527016; **AHIWARA:** Kabiram Honda - 8319225193; Shree Sairam Honda (Risali) - 8823050333; **AMBIKAPUR:** Mahamaya Honda - 7489027000; Jaswani Honda - 8358065000; **BAIKUNTHPUR:** Pramila Honda - 7000405012; **BARADWAR:** Ganpati Honda - 7974875687; **BATAULI:** Ankan Honda - 9203617070: **BILHA:** Sai Honda - 9179256022: **CHOWKI:** Manraj Honda - 9424153947; **DANTEWADA:** Ansh Honda - 7000396031; **DHARAMJAIGARH:** Harsh Honda - 9424180180; **DIPKA:** Kamal Honda - 9111144667; **JANJGIR CHAMPA:** Gattani Honda - 7694011206; Shubh Honda (Baloda) - 8574921111; **JASHPUR:** Deo Narayan Honda - 94252251702; **KAWARDHA:** Pratha Honda - 7400550099; **KHARSIA:** Balaji Honda - 8269515770; **KORBA:** Vishal Honda - 9479025937; Krishna Korba Honda - 7747015377; JP Honda (Hardi Bazar) - 9826129114; Ashwini Honda (Urga) - 6232103023; Bharat Honda (Gevra Basti) - 09301001739; **KOTA:** Prakash Honda - 9826417995; **KUNKURI:** Mansharam Honda - 8103798783; **LAILUNGA:** Atul Honda - 9424188280; **LORMI:** Mansi Honda - 9685010000; **MANENDRAGARH:** Harsh Honda - 9993883343; **MASTURI:** Rahul Honda - 9098619245; **PALI:** Mahamaya Honda - 8770804342; **PAMGARH:** Gautam Honda - 8962109746; **PANDARIYA:** Shri Balaji Honda - 7399330099; **PATHALGAON:** Dinesh Honda - 9993199987; **PENDRA ROAD:** Dev Honda - 9752998221; **RAHOD:** Shri Balaji Honda - 9977311242; **RAIGARH:** Sharda Honda - 8103664400; Shanti Auto Honda - 9343609280; **RAJPUR:** Maa Mahamaya Honda - 9424259688; **RAMANUJGANJ:** Vikas Honda - 9926158656; **RATANPUR:** Sunil Honda - 9893354893; **SAKTI:** Maa Durga Honda - 9685927215; **SARAIPALI:** Pukhraj Honda - 8889798000; **SARANGARH:** Shanti Honda- 9201826679; **SARSIVA:** Kanisk Honda - 9575533947; **SHEORINARAYAN:** Arav Honda - 9713022700; **SITAPUR:** Akash Honda - 9617378301; **PRATAPUR:** Shri Banbhori Honda - 8120806101; **SURAJPUR:** Maa Mahamaya Honda - 8223999666; **TAKHATPUR:** Dream Honda - 9303005917; **TAPKARA:** Jindal Honda - 9406384666; **WADRUFNAGAR:** KP Auto - 9826881578; **GAURELLA:** Shyam Honda - 7024806222; **NEHRU NAGAR:** Aan Honda - 8518020999; **MUNGELI:** S. Mansi Honda - 9685010000.

For Bulk/Institutional enquiries, please write us at: institutionalsales@honda.hmsi.in

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com